लखनऊ
मंगलवार 17 जून 2025
वर्ष : 10 । अंकः 331
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक
आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

खुशी ही जीवन का अर्थ और उद्देश्य है, और मानव अस्तित्व का लक्ष्य और मनोरथ। - अरस्तू

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

ईरान में भारतीय छात्रों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया, विदेश मंत्रालय ने बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध में भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। इस बीच विदेश मंत्रालय ने उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया है। मंत्रालय ने सोमवार को बयान जारी कर बताया कि भारतीय दूतावास छात्रों की सुरक्षा स्थिति को लेकर निगरानी कर रहा है। मंत्रालय का कहना है कि दूतावास की मदद से ईरान में भारतीय छात्रों को सुरक्षित स्थानों में भेजा जा रहा है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, तेहरान में भारतीय दूतावास लगातार सुरक्षा स्थिति की निगरानी कर रहा है और ईरान में भारतीय छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनसे संपर्क कर रहा है। कुछ मामलों में, दूतावास की मदद से छात्रों को ईरान के भीतर सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। अन्य व्यवहार्य विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा, दूतावास कल्याण और सुरक्षा के संबंध में समुदाय के नेताओं के संपर्क में है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान में कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा पर चिंता जताई है और केंद्र से त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया है। उन्होंने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने मौजूदा सुरक्षा स्थिति को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की है। लोकसभा सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान में भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी।

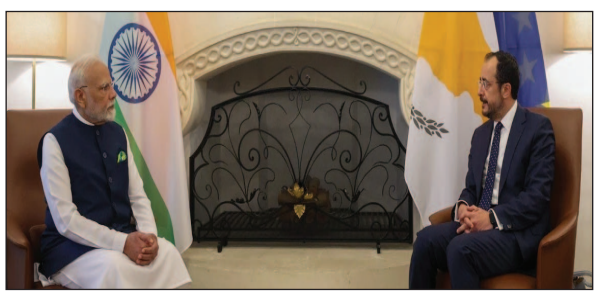

पाकिस्तानी नागरिक, जिसने खुद को बांग्लादेशी बताकर खड़ा किया हवाला नेटवर्क, यूं बनाए नकली भारतीय पहचान पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान का एक नागरिक आजाद हुसैन, पश्चिम बंगाल में अजाद मल्लिक बनकर रह रहा था। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उसने खुद को बांग्लादेश का नागरिक बताया। मल्लिक ने पश्चिम बंगाल में हवाला नेटवर्क खड़ा कर लिया। वह बांग्लादेश के लोगों के नकली भारतीय पहचान पत्र बनाने लगा। इनका इस्तेमाल, पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए होता था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता जोनल कार्यालय ने विशेष न्यायालय (पीएमएलए), कोलकाता के समक्ष 13 जून को अजाद मल्लिक उर्फ अहमद हुसैन आजाद उर्फ आजाद हुसैन, पाकिस्तानी नागरिक के खिलाफ अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की है। न्यायालय ने आरोपी व्यक्ति पर पूर्व-संज्ञान नोटिस जारी किया है और सुनवाई की तारीख तय की है। बता दें कि ईडी ने विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा 14 और 14 ए के तहत अजाद मल्लिक और अज्ञात लोगों के खिलाफ विदेशी अधिनियम, 1946 के उल्लंघन के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। इस केस में ईडी ने 15 अप्रैल को तलाशी अभियान चलाया। उस दौरान मालूम हुआ कि अजाद मल्लिक उर्फ अहमद हुसैन आजाद, जिन्हें शुरू में एक बांग्लादेशी नागरिक माना जाता था, वह मोना मल्लिक का बेटा है और वैध दस्तावेजों के बिना भारत में रह रहा है। इसके बाद उसे पीएमएलए के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया।

आतंकवाद पर साथ देने के लिए साइप्रस को कहा शुक्रिया, मिडिल ईस्ट संघर्ष पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ नई दिल्ली की लड़ाई में साइप्रस के निरंतर समर्थन के लिए सोमवार को आभार व्यक्त किया। उनकी टिप्पणियों ने जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों में पाकिस्तान से आने वाले आतंकवाद की ओर इशारा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन के लिए साइप्रस का आभार जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने निकोसिया में द्विपक्षीय बैठक के बाद साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान कहा कि सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साइप्रस के निरंतर समर्थन के लिए हम आभारी हैं। आतंकवाद, ड्रग्स और हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए, हमारी एजेंसियों के बीच वास्तविक समय की सूचना के आदान-प्रदान के लिए एक तंत्र विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का मुद्दा भी उठाया और अपनी प्रसिद्ध उक्ति दोहराते हुए कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है। उन्होंने इजरायल-ईरान युद्ध का नाम लिए बिना कहा कि हमने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर चिंता व्यक्त की। हमारा मानना है कि यह युद्ध का युग नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए समर्थन देने के लिए साइप्रस को धन्यवाद दिया। संयुक्त राष्ट्र को और अधिक समसामयिक बनाने के लिए आवश्यक सुधारों पर हम समान विचार रखते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन करने के लिए साइप्रस के आभारी हैं। उल्लेखनीय रूप से साइप्रस ने भारत को UNSC का स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थन किया है। साइप्रस उन देशों में से है जो स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी का स्पष्ट और खुले तौर पर समर्थन करते हैं।

साइप्रस में प्रधानमंत्री मोदी को मिला सर्वोच्च नागरिक सम्मान, राष्ट्राध्यक्ष से भी की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 16 जून को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने इस पुरस्कार को दोनों देशों के बीच मित्रता को समर्पित किया। इससे पहले, निकोसिया में राष्ट्रपति भवन में साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने नरेंद्र मोदी का आधिकारिक स्वागत किया। समारोह के बाद, दोनों नेताओं ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडलों का परिचय कराया और द्विपक्षीय चर्चा की। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की अपनी तीन देशों की यात्रा के तहत रविवार दोपहर (स्थानीय समयानुसार) द्वीपीय देश पहुंचे। लार्नाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस ने उनका स्वागत किया तथा बाद में लिमासोल में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप, मनरेगा का ख़र्च रोकने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को नष्ट करने की कोशिश कर रही है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को तड़पा-तड़पा कर ख़त्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60% तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का क़ानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के ख़िलाफ़ अपराध है।

खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है क्योंकि वो गरीबों की जेब से क़रीब ₹25,000 करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, demand ज़्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से ख़र्च करने पड़ते हैं? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि चूंकि मनरेगा एक demand-driven योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में demand की वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं?

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य demand के बावजूद रोज़गार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा? क्या ये सच नहीं कि एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7% परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है? (लिब टेक, 21 मई तक) क़रीब 7 करोड़ पंजीकृत वर्करों को मनरेगा से AADHAAR Based Payment की शर्त लगा बाहर क्यों किया गया? उन्होंने आगे पूछा कि 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया? ग़रीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा मज़दूरों पर जुल्म ढाने पर क्यों उतारू है?

'आपदा प्रबंधन में भारत वैश्विक नेता बनने के करीब'

अमित शाह ने की एनडीआरएफ समेत इन राहत बलों की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आपदा राहत बलों के जज्बे और कामों की सराहना की। दिल्ली में आपदा राहत बलों के आयुक्तों के सम्मेलन में अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) के कामों की बदौलत भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में इन संस्थाओं के कामों और जज्बे के दम पर भारत आगे बढ़ा है। एनडीएमए ने नीतिगत मामलों को तय करने, शोध, स्टडीज को लोगों तक पहुंचाने, एप बनाने और समग्र समन्वय का बढ़िया काम किया है। एनडीआरएफ ने त्वरित आपदा राहत कार्यों को अंजाम देकर अपनी अच्छी छवि बनाई और सम्मान भी कमाया है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ की संरचना में एसडीआरएफ ने भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। सीडीआरआई के माध्यम से हमने वैश्विक स्तर पर बहुत प्रसिद्धि और स्वीकृति भी प्राप्त की है। अमित शाह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों को भारत के संक्रमण काल के रूप में याद किया जाएगा जहां क्षमता, गति, दक्षता और सटीकता के क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की गईं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जबभारत की आपदा प्रतिक्रिया का इतिहास लिखा जाएगा, तो इतिहास को इन 10 वर्षों को याद करना होगा। आने वाले समय में देश हर व्यक्ति को आपदा प्रबंधन के खिलाफ खड़ा देख पाएगा। देश ने आपदा जोखिम कम करने में सफलता हासिल की है। पीएम मोदी के नेतृत्व में, हम समाज को भी आपदा प्रबंधन के साथ जोड़ने में सक्षम हुए हैं। अमित शाह ने कहा कि हमने भागीदारी बढ़ाई है। केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकारें सामूहिक रूप से आपदा के खिलाफ खड़ी हैं। इससे साफ है कि जब स्थानीय निकाय, जनता, राज्य सरकार, केंद्र सरकार, सभी विभाग, वैज्ञानिक और सुरक्षाकर्मी, सभी मिलकर काम करते हैं, तो हम बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। हमने बहुआयामी दृष्टिकोण को भी नीति के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि हम 90 दिनों के भीतर अपने-अपने राज्यों में प्रत्येक जिले के लिए जिला आपदा प्रबंधन योजनाएं बनाने का काम पूरा कर लेंगे।

हमेशा ओबीसी को धोखा दिया, भूपेंद्र यादव का कांग्रेस पर तीखा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र द्वारा सोमवार को 2027 में जाति गणना के साथ भारत की 16वीं जनगणना आयोजित करने की अधिसूचना जारी करने के बाद, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस के मन में कभी सच्चाई रही होती, तो काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट आने के बाद कांग्रेस ने कोई दूसरा कमीशन ही नहीं बनाया। देश से जब कांग्रेस की सत्ता गई तब मंडल कमीशन को बनाया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता पार्टी के जाने के बाद भी मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू नहीं हुई। जब देश से दोबारा कांग्रेस की सत्ता गई, तब मंडल कमीशन लागू हुआ। मंडल आयोग वैधानिकता को सर्वोच्च न्यायालय ने जब स्वीकार किया, तो ओबीसी कमीशन को दंतविहीन बनाने का काम कांग्रेस ने किया। 2014 में जब देश से कांग्रेस की सत्ता गई और श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने तब ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला।

भाजपा नेता ने कहा कि कर्नाटक में एक बार फिर कांग्रेस के धोखे का उदाहरण देखने को मिला। वो दिखाता है कि कांग्रेस के लिए सोशल जस्टिस दिखावा है, प्रतिबद्धता नहीं है। ओबीसी समाज को झांसे में लाना कांग्रेस की नीति है, न्याय देना उनका काम नहीं है। 2014 में भारत का नाजुक अर्थव्यवस्था बनने का सबसे बड़ा कारण था कि टैक्सपेयर के पैसों के साथ कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और उनके विश्वास को खोया। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक में कांग्रेस का रिसर्वे... एक पॉलिटिकल कवर है।

जनगणना को लेकर अधिसूचना जारी, 2 चरणों में होगी आबादी की गिनती

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने जनगणना को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। यह 2 चरणों में अक्टूबर 2026 और मार्च 2027 से शुरू होगी। यह भारत की 16वीं जनगणना होगी। गृह मंत्रालय की ओर से जारी की गई अधिसूचना में बताया गया है कि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जनगणना अक्टूबर 2026 से शुरू होगी। इसके बाद माईच 2027 से अन्य राज्यों में जनगणना शुरू की जाएगी। जनगणना के साथ ही जाति जनगणना भी होगी।

पहले चरण की जनगणना को हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन के नाम से जाना जाएगा।

इसमें परिवार की संपत्ति, पारिवारिक आय, आवास की स्थिति और सुविधाओं से संबंधित डेटा एकत्र किया जाएगा।

दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के तहत घर में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के बारे में जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाएगी। इस की जनगणना भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी। ऐसे में उत्तर देने वाले निवासी घर से ही प्रश्नों के उत्तर को दे सकेंगे।

इसमें घर-घर जाकर जनगणना तो की जाएगी, लेकिन यह सभी चीजें टैबलेट और मोबाइल के जरिए होंगी। लोगों को ऑनलाइन भी जनगणना में शामिल होने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा पहली बार जनगणना में जाति की गणना भी जनगणना की प्रक्रिया होगी, जिसकी काफी समय से मांग उठ रही थी। जनगणना की तिथियां सामने आने के बाद अब महिला आरक्षण विधेयक और विवादास्पद परिसीमन प्रक्रिया का भी रास्ता साफ हो गया है। जनगणना के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जिसमें अंतर्गत सभी राज्यों में सीटों का जनसंख्या के अनुसार आकलन किया जाएगा। लोकसभा चुनाव 2029 में केंद्र सरकार नए परिसीमन के मुताबिक, महिला आरक्षण विधेयक भी लागू करेगी, जिससे संसद में प्रवेश के लिए महिला सांसदों को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

उत्तर भारत के कई राज्यों में अंधड़-बारिश का कहर, तापमान में आई गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तर भारत में मौसम का मिजाज बदल गया है। रविवार को अधिकांश इलाकों में बारिश के साथ चली तेज हवा से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को केरल, तमिलनाडु, गुजरात, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, असम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में रविवार को कई इलाकों में बारिश होने से गर्मी के तेवर ढीले पड़ गए हैं, लेकिन वज्रपात, आंधी-बारिश से विभिन्न जिलों में 30 लोगों की जान चली गई। सोमवार सुबह से कई इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश हुई है। 55 से ज्यादा जिलों में तेज हवा चलने, बिजली गिरने और झमाझम बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

अगले 5 दिनों में बारिश के साथ तापमान में 5-7 डिग्री की गिरावट आने का पूर्वानुमान है। मध्य प्रदेश में मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। कहीं भीषण गर्मी और उमस परेशान कर रही है तो कहीं जोरदार बारिश और ओलावृष्टि ने दस्तक दी। मौसम विभाग ने प्रदेश में 16 जून के लिए भी बारिश, आंधी और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। बिहार में भी कुछ इलाकों में तेज हवा चलने के साथ बौछार पड़ने के आसार हैं। राजस्थान में भी सोमवार को 11 जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। दिल्ली में रविवार अलसुबह 104 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज आंधड़ के साथ हुई बारिश ने गर्मी से राहत प्रदान की है। इसके चलते अधिकतम तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री कम 35.6 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम 20 डिग्री पर पहुंच गया। आईएमडी ने सोमवार शाम तक गरज के साथ छींटे पड़ने, बिजली चमकने, हल्की से मध्यम बारिश होने और 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना जताई है।

आपने लालू, पीएम मोदी, नीतीश कुमार का शासन देखा है, अब . . ., प्रशांत किशोर ने लोगों से जन सुराज का समर्थन करने की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के लोगों से आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राज्य में एक नए विकल्प का समर्थन करने की अपील करते हुए जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों ने लालू यादव, पीएम मोदी और नीतीश कुमार का शासन देखा है, लेकिन अब जनता का शासन होना चाहिए। मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके में एक सभा को संबोधित करते हुए किशोर ने कहा कि मैं वोट नहीं मांग रहा हूं...मैंने पिछले 2.5 वर्षों में पांच हजार गांवों की यात्रा की है, कई लोगों को इकट्ठा किया है और एक पार्टी 'जन सुराज' बनाई है...आपने लालू प्रसाद यादव, पीएम मोदी, नीतीश कुमार का शासन देखा है...अब बिहार में लोगों का शासन, 'जन सुराज' होना चाहिए।

इससे पहले शनिवार को प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जनता दल (यूनाइटेड) पर निशाना साधते हुए कहा कि 30 साल से उन्होंने बिहार में सिर्फ गरीबी और भ्रष्टाचार फैलाया है। उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से वे सिर्फ सामाजिक न्याय का नारा देकर अपने परिवार और अपने बच्चों का भला करना चाहते हैं। उनके पास न तो कोई विजन है और न ही वे समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं। वे सिर्फ जाति के आधार पर लोगों को बांटकर राजनीति करना चाहते हैं। पिछले 30 सालों में उन्होंने बिहार में सिर्फ गरीबी और भ्रष्टाचार दिया है।

बिहार चुनाव इस साल के अंत में अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है; हालाँकि, भारत के चुनाव आयोग (ECI) ने आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है। भाजपा, जद (यू) और लोजपा से मिलकर बना एनडीए एक बार फिर बिहार में अपनी सत्ता बरकरार रखने की कोशिश करेगा, वहीं राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों से मिलकर बना भारत ब्लॉक नीतीश कुमार को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश करेगा।

अमरोहा की पटाखा फैक्टरी में धमाका, चार महिला श्रमिकों की मौत... छह जखमी, मौके पर अफरा तफरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अमरोहा। अमरोहा जिले के रजबपुर थाना क्षेत्र के अतरासी गांव के जंगल में बनी पटाखा फैक्टरी में सोमवार को अचानक तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि फैक्टरी की टीनशेड पूरी तरह ध्वस्त हो गई। हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

मलबे में दबे मजदूरों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के गांवों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव में मदद की। मृतकों की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है।

प्रशासन ने हादसे की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन कर दिया है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। डीएम ने कहा कि पूरे मामले की गहनता से जांच कराई जा रही है। समिति को सभी पहलुओं की पड़ताल करने के निर्देश दिए गए हैं।

फैक्टरी मालिक के लाइसेंस और उससे जुड़े दस्तावेज भी खंगाले जाएंगे। डीएम ने बताया कि मौके पर चार महिलाओं की मौत हुई है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार फैक्टरी हापुड़ निवासी व्यक्ति की बताई जा रही है। इससे पहले एक मई को गांव भावली में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हो गया था। इसकी चपेट में आकर एक बच्चा झुलस गया था। पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की थी। बताया गया कि पिछले कई माह से रहरा क्षेत्र के गांव भावली में नदी के पास एक मकान में अवैध रूप से पटाखा फैक्टरी का संचालन हो रहा था।

इसमें फुलझड़ी से लेकर कई तरह के पटाखों की पैकिंग व निर्माण कराया जा रहा था। इसमें गांव व आसपास के लोगों मजदूरी पर काम भी प्रतिदिन दिया जाता था। गांव की एक महिला अपने बच्चे को लेकर मजदूरी करने गई थी। बताते हैं कि बच्चा फुलझड़ी जलाने लगा, जिससे विस्फोट हो गया। वहां मौजूद लोगों ने उस पर काबू कर लिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध पटाखा फैक्टरी संचालित की जा रही थी।

दो ट्रकों की आपस भिड़ंत में एक खलासी की मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। टांडा-बांदा हाईवे पर दो ट्रकों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ट्रक खलासी की मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य करते शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मचा है। घटना रविवार रात 11 बजे की है। टांडा-बांदा हाईवे पर सेमरी मोड़ कटका के पास यह हादसा हुआ है। यहां ट्रक नंबर यूपी 71 वीटी 3186 और एचआर 73 वी 8584 की आमने सामने भिड़ंत हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक नंबर एचआर 73 वी 8584 के खलासी को गंभीर चोटे आई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा शव पुलिस ने तत्काल खलासी को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सनी प्रजापति (18) पुत्र शीतला प्रजापति के रूप में हुई है। वो लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के समहुत कला का निवासी है। मृतक चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

खुल्दाबाद में नकाबपोश बदमाशों ने रेस्तरां पर फेंका बम, घटना सीसीटीवी में कैद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। शहर के खुल्दाबाद इलाके में रविवार की रात नकाबपोश दो युवकों ने एक रेस्तरां पर बम फेंक दिया। इससे अफरातफरी मच गई। दहशत फैलाने के बाद बदमाश आराम से भाग निकले। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

अटाला के रहने वाले बशीर अहमद का खुल्दाबाद में रेस्तरां है। रविवार की रात करीब 11 बजे रेस्तरां के सामने दो युवक पहुंचे। बाइक सवार दोनों युवक मुंह पर गमछा बांधे हुए थे। जब तक लोग कुछ समझ पाते युवकों ने रेस्तरां पर बम फेंक दिया। तेज आवाज के साथ बम फटने से पूरा रेस्तरां समेत पूरा इलाका थर्रा गया। कर्मचारियों में दहशत फैल गई और सड़क से गुजर रहे लोग लोग इधर उधर भागने लगे। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश आसानी से भाग निकले।

पूरी घटना रेस्तरां के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से पुलिस बदमाशों का सुराग लगाने में जुटी है। रेस्तरां के मालिक ने दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। बशीर के अनुसार उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। एक महीने पहले आर्डर को लेकर उनका कुछ युवकों से विवाद हुआ था। आशंका जताई है कि उन्हीं लोगों ने घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

विद्युत विभाग का बड़ा खेल बिना मीटर की चलाई जा रही बिजली, धड़ल्ले से हो रही है बिजली चोरी

सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील मुख्यालय पर विद्युत विभाग की मिली भगत से धड़ल्ले से बिजली चोरी की जा रही है। तहसील मुख्यालय पर कई उपभोक्ताओं के घर पर जिम्मेदार अधिकारियों की मिली भगत से बिना मीटर लगाए ही विद्युत चोरी की जा रही है। अधिकारी सब कुछ देखते हुए भी मौन है जहां विभाग द्वारा प्रत्येक उपभोक्ताओं के घर पर मीटर लगा कर विद्युत चोरी रोकी जा रही है वही कुछ लोग मीटर न लगाकर घरेलू कनेक्शन के नाम पर क्षमता से अधिक विद्युत भार का उपयोग कर रहे हैं ऐसे में विद्युत चोरी की जा रही है। तहसील मुख्यालय पर अगर विद्युत विभाग के अधिकारी जांच करें तो घरेलू कनेक्शन के नाम पर अधिक भार के विद्युत उपकरण चलाए जा रहे हैं और ना ही उनके घरों में मीटर लगा है आखिर बगैर मीटर के बिल कहां से दिया जा रहा है यह जांच का विषय है। फिलहाल विद्युत विभाग के अधिकारियों के नाक के नीचे ऐसा खेल खेला जा रहा है।

आगरा में झमाझम बारिश....धंस गई सड़क और जमीन में समा गया युवक, हादसे का खौफनाक वीडियो आया सामने

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के कालिंदी बिहार में सोमवार सुबह तेज बारिश के कारण 35 साल पुराना भूमिगत नाला क्षतिग्रस्त हो गया। जिसकी वजह से सड़क 18 फीट नीचे धंस गई। इस हादसे में एक युवक मलबे में दब गया, जिसे पुलिस ने रेस्क्यू कर बचा लिया।

गुलाब नगर निवासी गौरव कालिंदी बिहार स्थित गणपति हॉस्पिटल में औषद्यालय सहायक हैं। वह सुबह 9 बजे घर लौट रहे थे। इसी बीच अचानक तेज धमाके के साथ सड़क धंस गई। वह मलबे में दब गए। उसके साथी राहुल, दीपक, कपिल और तुषार ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वे भी मलबे में फंस गए।

मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज राजकुमार गोस्वामी और उपनिरीक्षक राम संजीवन ने जेसीबी मांगकर रेस्क्यू किया। गौरव और उसके दोस्तों को मलबे से सुरक्षित निकाल लिया गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय लोगों ने पुलिसकर्मियों की तारीफ की और उनके लिए ताली बजाई।

दोस्ती के लिए दे सकते हैं जान

सड़क धंसने के बाद गौरव को मलबे में दबने पर उसे बचाने के लिए राहुल कूद गए। उसकी पीछे तुषार, कपिल और राहुल भी आ गए। जब वह बाहर निकले तो बोले कि दोस्ती के लिए जान भी हाजिर हैं।

नगर निगम की लापरवाही, पांच दिन पहले गड्ढा खोदकर छोड़ा

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नगर निगम के अधिकारी और ठेकेदार ने पांच दिन पहले सड़क को खोदकर छोड़ दिया था। जिससे बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी हो रही थी। क्षेत्रीय पार्षद यशपाल सिंह ने बताया कि सीएनजी पंप से आरबी पीजी गर्ल्स डिग्री कॉलेज तक अंडरग्राउंड नाला क्षतिग्रस्त है। जिससे टेढ़ी बगिया क्षेत्र की कॉलोनियों में जलभराव की समस्या रहती है।

नहर चौराहे पर अतिक्रमण होने से राहगीर परेशान, आए दिन होती है दुर्घटना

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील मुख्यालय स्थित नहर चौराहा पर दुकानदारों द्वारा नहर की पटरी पर अतिक्रमण कर लिया गया है जिससे आने जाने वाले राहगीर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इसकी शिकायत भी स्थानीय लोगों द्वारा कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों से की थी लेकिन कार्यवाही नहीं हो पाई। बता दे कि बल्दीराय तहसील मुख्यालय पर स्थित चौराहा शारदा सहायक नहर खंड 16 की पटरी पर स्थानीय दुकानदारों द्वारा मार्ग पर ही अतिक्रमण कर लिया है जिससे आने जाने वाले नागरिकों को परेशानी उत्पन्न हो रही है कई बार चौराहे पर दुर्घटना भी हो चुकी है फिर भी विभाग मौन है। कई लोगों ने बताया कि इसकी शिकायत भी संबंधित विभाग के अधिकारियों से की गई थी लेकिन कुछ दिन तक दुकानदारों को अपनी दुकान न लगाने की हिदायत देकर विभाग मौन हो गया। इधर मौका पाते ही दुकानदार पुनः अपनी दुकान चौराहे पर ही लगाने लगे जिससे दुकानों पर भीड़ इकट्ठा होने के साथ-साथ ग्राहकों की मोटरसाइकिल व साइकिल भी मार्ग पर ही खड़ी की जाती है जिससे हलियापुर की ओर जाने वाले वह उधर से आने वाले राहगीरों के समक्ष दुर्घटना का भय बना रहता है। लोगों ने इस की शिकायत शारदा सहायक खंड 16 के अधिकारियों से करते हुए तत्काल अतिक्रमण हटाए जाने की मांग की है।

यूपी में दूल्हे की हत्या : शादी से एक दिन पहले अपहरण कर मारा, होने वाली दुल्हन और उसके प्रेमी ने कराया मर्डर !

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में शादी से एक दिन पहले युवक की अपहरण कर हत्या का मामला सामने आया है। हत्या का आरोप परिजन ने होने वाली दुल्हन और उसके प्रेमी पर लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

रामपुर में शादी से एक दिन पहले खुद को दुल्हन का चचेरा भाई बताकर दूल्हे के घर पहुंचे दो बाइक सवारों ने दूल्हे का अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को अजीमनगर इलाके के जंगल में फेंक दिया गया।

पुलिस ने दूल्हे का शव किया बरामद

परिजनों ने इस मामले में दुल्हन के साथ ही उसके एक प्रेमी और अन्य साथी पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इसके आधार पर ही पुलिस ने दूल्हे का शव भी बरामद किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हत्या का यह मामला गंज थाना इलाके से जुड़ा हुआ है। क्षेत्र के मोहल्ला गूजर टोला स्थित फकीरों वाला फाटक निवासी निहाल (35) पुत्र मुशर्रत अली का विवाह भोट थाना इलाके के धनुपुरा गांव निवासी एक युवती से तय हुआ था।

कपड़े दिलाने के बहाने घर से ले गए

निहाल की रविवार को धनुपुरा बरात जानी थी, परिवार के लोगों की माने तो 14 जून को दोपहर के वक्त वैवाहिक कार्यक्रमों के बीच निहाल के पास एक फोन आया, फोन करने वाले युवक ने खुद को उसका चचेरा साला बताते हुए नए कपड़ों का साइज दिलाने की बात कहकर घर से बाहर बुला लिया।

पुलिस ने गुमशुदगी की दर्ज

मृतक के भाई नायब के अनुसार, निहाल घर से निकला और फिर दो युवक उसके भाई को बाइक पर बैठाकर ले गए। इसके बाद से उसका कोई अता पता नहीं चला। घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करते हुए जांच पड़ताल शुरू की।

आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ

निहाल के परिजनों ने होने वाली दुल्हन और उसके एक प्रेमी व अन्य साथी पर अपहरण करने और उसकी हत्या की आशंका जताई, जिसके बाद पुलिस एक्टिव हो गई। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर जब पूछताछ की तो उसकी निशानदेही पर पुलिस ने अजीमनगर थाना क्षेत्र के रतनपुरा के जंगल में निहाल का शव बरामद कर लिया।

आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीओ सिटी जितेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही इस मामले की खुलासा किया जाएगा।

यूपी में चली तबादला एक्सप्रेस, 58 सब रजिस्ट्रार का ट्रांसफर ; स्टांप घोटाले में मेरठ के भी तीन अधिकारी बदले गए

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। स्टांप घोटाले की गाज अब शहर के सब रजिस्ट्रारों पर गिरी है। आइजी निबंधन ने प्रदेश में कुल 58 सब रजिस्ट्रार का तबादला किया है। इनमें शहर के तीन सब रजिस्ट्रार भी शामिल हैं। इनका तबादला चित्रकूट, हमीरपुर और बुलंदशहर किया गया है। मेरठ में हाल में प्रोन्नति पाकर सब रजिस्ट्रार बने अजमल फिरासत को बिजनौर की चांदपुर तहसील का सब रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

महानिरीक्षक निबंधन समीर वर्मा द्वारा सब रजिस्ट्रार के तबादलों की दो सूची तैयार की गई हैं। इनमें एक सूची उपनिबंधकों की जबकि दूसरी उन कर्मियों की तैनाती की है जो हाल में प्रोन्नति पाकर सब रजिस्ट्रार बने हैं। मेरठ सदर प्रथम में तैनात अंजलि यादव को चित्रकूट तैनाती दी गई है। उनके स्थान पर झांसी से सुभाष चंद्र को यहां तैनाती दी गई है। मेरठ सदर तृतीय सब रजिस्ट्रार हर्षवर्धन यादव को हमीरपुर भेजा गया है।

मेरठ सदर चतुर्थ में तैनात सब रजिस्ट्रार आशुतोष कुमार त्रिपाठी को बुलंदशहर सदर प्रथम में तैनात किया है। दूसरी सूची हाल ही में प्रोन्नति पाकर सब रजिस्ट्रार बने अधिकारियों की तैनाती की जारी की गई है। मेरठ में तैनात अजमल फिरासत को प्रोन्नति के बाद बिजनौर जनपद की चांदपुर तहसील का सब रजिस्ट्रार बनाया है।

नवीन कुमार गुप्ता को झांसी सदर प्रथम का सब रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। सहारनपुर से मोहम्मद आसिफ को मेरठ सदर तृतीय का सब रजिस्ट्रार बनाया गया है। सभी अधिकारियों को जल्द कार्यमुक्त होकर तुरंत नए स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने का आदेश महानिरीक्षक निबंधन ने दिया है।

सुभारती यूनिवर्सिटी की बड़ी लापरवाही, 375 बोरे में भरी उत्तर पुस्तिकाएं गायब

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ का सुभारती विश्वविद्यालय अक्सर चर्चाओं में रहता है। इस बार सुभारती विश्वविद्यालय से 375 बोरे में भरी उत्तर पुस्तिकाओं की चोरी का मामला है। जिसकी सूचना अब 3 महीने बाद पुलिस को दी गई है। उत्तर पुस्तिकाओं के बोरे मार्च में ही चोरी हुई थे, जिसकी सूचना अब तक सुभारती विश्वविद्यालय को भी नहीं थी। कई सीसीटीवी होने के बाद भी कोई सबूत अभी तक नहीं मिला है।

होली के आसपास सुभारती विश्वविद्यालय के स्टोर रूम से 14 मार्च को 375 बोरे में रखी गई उत्तर पुस्तिकाएं और 2700 सेल्फ लर्निंग मटेरियल चोरी हो गए थे। 3 महीने बाद तक इस मामले में विश्वविद्यालय की तरफ से कुछ ठोस कदम नहीं उठाए गए। हालांकि देरी का कारण यूनिवर्सिटी ने विभागीय जांच को बताया है। लेकिन सवाल ये ही खड़ा होता है कि ये विभागीय जांच 3 महीने तक क्या करती रही।

कई सीसीटीवी होने के बाद भी कोई सबूत नहीं

सुभारती यूनिवर्सिटी में सुरक्षा के लिहाज से चप्पे चप्पे पर कई सीसीटीवी कैमरे और गार्ड्स को लगाया गया है, लेकिन न तो सीसीटीवी और न ही गार्ड्स के माध्यम से सुभारती यूनिवर्सिटी ये पता लगा पाई कि ये उत्तर पुस्तिकाएं और 2700 सेल्फ लर्निंग मटेरियल कहा चले गए। बताया जा रहा है कि 14 मार्च को ये चोरी हुई थी और इसका पता चार दिन बाद 18 मार्च को चला।

कुल सचिव ने कराई शिकायत

सुभारती यूनिवर्सिटी के कुल सचिव मोहम्मद याकूब ने पुलिस को इससे जुड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि 14 मार्च से 16 मार्च के बीच ये चोरी हुई है। इससे पहले पुरानी सेल्फ लर्निंग मटेरियल और उत्तर पुस्तिकाएं स्टोर रूम में बंद कर दिया गए थे। ये मैरिटल लाखों रुपए की कीमत के हैं, जो कि पेपर मिल में बेचे जा सकते हैं।

ऑनलाइन कराई एफआईआर

थाना जानी प्रभारी ने बताया कि सुभारती के कुल सचिव की ओर से इस संबंध में ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस मामले में जांच की जा रही है। उन्होंने चोरी की घटना को कई महीने पुराना बताया।

मृतक आश्रितों को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना का चेक किया वितरित

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील सभागार कक्ष में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 31 लाभार्थियों को 1 करोड़ 55 लाख रुपये का प्रतीकात्मक चेक वितरण किया गया।

सरकार की अति महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत उपजिलाधिकारी बल्दीराय मंजुला मयंक की अध्यक्षता में तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सड़क दुर्घटना में मृतक हुए 31 मुखिया के आश्रितों को तहसील सभागार में डिजिटल तरीके से एलसीडी पर मुख्यमंत्री के ऑन लाइन चलचित्र कार्यक्रम का प्रसारण के साथ ही एसडीएम बल्दीराय ने निधि, कलावती, उमा, सुनीता, कंचन, उर्मिला, शांति देवी, रमावती, अनिता, रेनू कुमारी, अनीता पांडेय सहित 27 अन्य आश्रितों को चेक वितरित किया गया। जो 4 लाभार्थी नही आये उनके बारे में उपजिलाधिकारी ने बताया कि उनका प्रतीकात्मक चेक हल्का लेखपाल के माध्यम से उपलब्ध करवा दिया जाएगा। इस मौके पर तहसीलदार देवानंद तिवारी, नायब तहसीलदार गुलाब सिंह सहित राजस्व निरीक्षक व हल्का लेखपाल उपस्थित रहे।

नीट यूजी-2025 में एलन ऑनलाइन का जलवा, यूपी के तन्मय जग्गा ने हासिल की ऑल इंडिया 74वीं रैंक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2025 में एलन ऑनलाइन के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी एलन ऑनलाइन स्टूडेंट तन्मय जग्गा ने ऑल इंडिया 74वीं रैंक हासिल कर टॉप-100 में अपना स्थान बनाया है। यह उपलब्धि उन्होंने अपने शहर में रहकर डिजिटल माध्यम से पढ़ाई करते हुए प्राप्त की।तन्मय ने बताया कि एलन ऑनलाइन से जुड़ने का फैसला उन्होंने अपने परिवार के साथ मिलकर लिया था। उन्होंने कहा, "मुझे अपने परिवार और एलन ऑनलाइन की फैकल्टीज से पूरा सपोर्ट मिला। अपनी परिस्थितियों और सुविधाओं के अनुरूप तैयारी करने से मेरी क्षमता में बड़ा फर्क आया। एलन ऑनलाइन का सिस्टम स्टूडेंट्स की प्रगति को ट्रैक करता है और उसी अनुसार सुधार की दिशा देता है।"तन्मय की इस सफलता ने एक बार फिर साबित किया है कि ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से घर बैठे भी मेडिकल जैसी कठिन परीक्षा में बेहतरीन परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। एलन ऑनलाइन के मुताबिक, नीट-2024 में उत्तर प्रदेश के 50 से अधिक छात्रों ने टॉप सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन लिया था।एलन ऑनलाइन चैंपियन्स में तन्मय के अलावा पश्चिम बंगाल के बांकुरा से देबरघ्य बाग (एआईआर-247) और बेंगलुरु की अद्याशा ए. जेना (एआईआर-405) जैसे नाम भी शामिल हैं। इन टॉपर्स ने एलन ऑनलाइन की एक हजार से ज्यादा लाइव क्लासेज अटेंड की और प्लेटफॉर्म पर 25 हजार से अधिक सवालों का अभ्यास किया।एलन करियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने कहा, "एलन हमेशा स्टूडेंट फर्स्ट सिद्धांत पर काम करता है। डिजिटल शिक्षा के माध्यम से हम एलन की शैक्षणिक विरासत को और भी प्रभावी एवं सुविधाजनक तरीके से छात्रों तक पहुँचा रहे हैं।"बीकानेर की प्रज्ञा पूनिया की कहानी भी डिजिटल लर्निंग की सफलता को दर्शाती है। उन्होंने 2024 में ऑल इंडिया रैंक 27,249 से छलांग लगाते हुए इस वर्ष एआईआर 1,341 हासिल की। यह इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ ऑनलाइन लर्निंग छात्रों की तकदीर बदल सकती है।नीट-2025 में एलन ऑनलाइन के नतीजे 2024 की उस सफलता की बुनियाद पर खड़े हैं जब 450 से अधिक छात्रों ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला लिया था। यह ट्रेंड स्पष्ट रूप से दिखाता है कि भारत में डिजिटल-फर्स्ट लर्निंग न केवल लोकप्रिय हो रही है बल्कि यह भावी डॉक्टरों की तैयारी का नया मानक भी बन रही है।

अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा हमला : कहा, संविधान खतरे में, समाजवादी सरकार बनाएगी सामाजिक न्याय का राज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान आज खतरे में है। भाजपा देश में नफरत फैलाने और समाजवादी सरकार के विकास कार्यों को नष्ट करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है।समाजवादी पार्टी के लखनऊ स्थित राज्य मुख्यालय में डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में आयोजित समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय और प्रांतीय पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अल्पसंख्यकों की अस्मिता, रोजगार और जीवन पर भाजपा की नज़र टेढ़ी है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को सचेत करते हुए कहा कि भाजपा धोखा देने में माहिर है, इसलिए समाजवादी कार्यकर्ता सावधान रहें। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के दौरान हुए विकास कार्यों को भाजपा ने या तो रोक दिया या बर्बाद कर दिया। भाजपा का एजेंडा विकास नहीं, विनाश है। उन्होंने कहा कि भाजपा अब समाजवादी पार्टी की रणनीति के सामने टिक नहीं सकती, क्योंकि समाजवादी सरकार ने ही जनता को न्याय, सम्मान और अवसर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा निर्दोषों को झूठे मुकदमों में फंसा रही है और शासन व्यवस्था को तानाशाही बना चुकी है।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर है। सोने की कीमतें बढ़ रही हैं, छात्रों, नौजवानों और बेरोजगारों को कोई राहत नहीं मिल रही है। भाजपा जमीनों पर कब्जा कर रही है और चुनावों में धांधली कर सत्ता में बनी हुई है। उन्होंने बूथ स्तर पर सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि कार्यकर्ता वोटरों की सूची की जांच करें कि कहीं किसी का नाम कटा तो नहीं या फर्जी वोट तो नहीं है।अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव उत्तर प्रदेश की दिशा तय करेगा और समाजवादी पार्टी संकल्पित है कि इस बार समाजवादी सरकार बनेगी, जिसमें सबको सम्मान मिलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी गड़बड़ी करेगा तो कार्रवाई तय है।बैठक में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की ओर से सामाजिक न्याय के राज की स्थापना, संविधान और आरक्षण की रक्षा, जातीय जनगणना करवा कर जनसंख्या के अनुपात में हक दिलाने का संकल्प लिया गया। साथ ही पीड़ित, वंचित, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और युवाओं के स्वाभिमान और सम्मान के लिए गांव-गांव, मोहल्ले-मोहल्ले जाकर संवाद और जागरूकता फैलाने का संकल्प भी दोहराया गया।

बुंदेलखंड ज़ोन में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान तेज, अविनाश पाण्डेय और अजय राय ने दिए बूथ स्तर तक संगठन मज़बूत करने के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान को गति देते हुए आज तीसरे दिन बुंदेलखंड ज़ोन के ज़िला एवं शहर अध्यक्षों और समन्वयकों की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में तथा राष्ट्रीय सचिव नीलांशु चतुर्वेदी की मौजूदगी में हुई इस बैठक में बुंदेलखंड के 13 जनपदों—कानपुर, कानपुर देहात, कन्नौज, औरैया, जालौन, महोबा, झांसी, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, हमीरपुर और इटावा—के पदाधिकारियों ने भाग लिया।बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना', निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह और निवर्तमान प्रदेश महासचिव अनिल यादव व संजय दीक्षित की भी विशेष उपस्थिति रही।बैठक के दौरान ज़िला और शहर अध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान अविनाश पाण्डेय ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ब्लॉक और न्याय पंचायत स्तर तक कांग्रेस संगठन को मज़बूती से खड़ा करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी 823 ब्लॉकों की न्याय पंचायतों में नए पदाधिकारियों का चयन कर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जाए ताकि कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर तक पुनः सक्रिय किया जा सके। उन्होंने कहा कि न्याय पंचायतों से ही जनता के मुद्दों को समझकर जनविरोधी भाजपा सरकार के खिलाफ प्रभावी लड़ाई लड़ी जा सकती है।प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने समीक्षा के दौरान कहा कि जब तक संगठन ब्लॉक स्तर तक सशक्त नहीं होगा, तब तक पंचायत और विधानसभा चुनावों में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकती। उन्होंने बुंदेलखंड क्षेत्र के विशेष मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया और जनता से सीधे संवाद स्थापित करने पर बल दिया।बैठक के अंत में अजय राय ने सभी कोऑर्डिनेटरों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रभार क्षेत्रों में वरिष्ठ कांग्रेसजनों और कार्यकर्ताओं से समन्वय स्थापित कर संगठन सृजन अभियान को तय समयसीमा के भीतर पूरा करें।

क्विक हेल्थकेयर स्टार्टअप ने लोहिया पार्क में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, लोगों को मिली जागरूकता और स्वास्थ्य परामर्श

लखनऊ। हेल्थकेयर स्टार्टअप क्विक ने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एक सराहनीय पहल करते हुए गोमती नगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य आमजन को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के प्रति जागरूक करना और निवारक स्वास्थ्य देखभाल की संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। वर्तमान समय में उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में क्विक की यह पहल विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और मॉर्निंग वॉक करने वालों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध हुई। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और विशेषज्ञों से अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों का सघन निरीक्षण, उप मुख्यमंत्री ने दिए गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्यों की नियमित व स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति को मौके पर जाकर ही परखा जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी निर्माण कार्य न केवल मानकों के अनुरूप हों, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी उच्चतम स्तर की सुनिश्चित होनी चाहिए।उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण (यूपीआरआरडीए) द्वारा कार्यों की विशेष निगरानी की जा रही है। साथ ही, पीएमजीएसवाई के तहत सड़कों के रिन्यूवल कार्यों में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग भी किया जा रहा है, जिससे न केवल सड़कों की मजबूती बढ़े, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सार्थक योगदान हो सके। सड़कों के निर्माण में कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।इसी क्रम में सोमवार को लखनऊ जनपद में स्वीकृत मार्ग पैकेज संख्या यूपी-4687 (माल-इटौंजा-कुर्सी रोड से लालपुर तक 11.200 किमी लंबाई) पर 30 मिमी मोटाई के MSS+ तकनीक से किए जा रहे रिन्यूवल कार्य का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण यूपीआरआरडीए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह द्वारा किया गया। उनके साथ मुख्य अभियंता बृजेश कुमार दुबे, राज्य गुणवत्ता समन्वयक देवेंद्र सिंह, राज्य तकनीकी अधिकारी डी.डी. पाठक एवं यंग सिविल इंजीनियर्स की टीम उपस्थित रही।निरीक्षण के दौरान लगभग 2 किमी कार्य पूर्ण पाया गया। मार्ग की गुणवत्ता व मोटाई का परीक्षण किया गया जो संतोषजनक रहा। MSS+ तकनीक का प्रदर्शन भी मानक के अनुरूप रहा। मौके पर उपस्थित ठेकेदार फर्म मेसर्स अवध कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधि मो. अली आब्दी और परियोजना इकाई के अधिशासी अभियंता संजीव भीमराव सहित अन्य अभियंताओं को उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, मार्ग से जुड़े अन्य संपर्क मार्गों पर बेहतर जंक्शन सुधार के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।गौरतलब है कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के पोस्ट डीएलपी (Defect Liability Period) अवधि के मार्गों पर सर्फेसिंग कार्य हेतु प्रोत्साहन राशि (इन्सेन्टिव मनी) के तहत 30 मिमी मोटाई में चार नवीन तकनीकों को मंजूरी दी गई है। इनमें CGBM तकनीक के 45 मार्ग (282.438 किमी), कोल्ड मिक्स बीसी तकनीक के 52 मार्ग (305.958 किमी), MSS+ तकनीक के 38 मार्ग (201.525 किमी) और वेस्ट प्लास्टिक तकनीक के 171 मार्ग (1121.383 किमी) शामिल हैं।यूपीआरआरडीए द्वारा इन नवीन तकनीकों के प्रयोग से न केवल सड़क संरचना को टिकाऊ और सुदृढ़ बनाया जा रहा है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को कम कर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

उमराव जान की नई प्रस्तुति 18 जून को लखनऊ में, अवध की संस्कृति को मिलेगा नया मंचीय रूप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय साहित्य और सिनेमाई इतिहास में अमिट छाप छोड़ने वाली 'उमराव जान' की कहानी को एक नए दृष्टिकोण से मंचित किया जा रहा है। फखरुद्दीन अली अहमद मेमोरियल कमेटी (उत्तर प्रदेश सरकार) के तत्वावधान में इस नाटक का मंचन आगामी 18 जून 2025 को होटल ऑरनेट, वृंदावन कॉलोनी, लखनऊ में किया जाएगा।इस संदर्भ में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान नाटक के निर्देशक यूसुफ खान और वामिक खान ने बताया कि 'उमराव जान' नाम सुनते ही लोगों के मन में हादी रुसवा की प्रसिद्ध उपन्यास उमराव जान अदा की छवि उभरती है, लेकिन यह प्रस्तुति एक बिल्कुल अलग दृष्टिकोण लेकर आई है। दरअसल, इस ड्रामा की कथा एस एन लाल की लिखी कहानी गुलनार का कोठा पर आधारित है, जिसमें हादी रुसवा की रचनात्मक दुनिया के पात्रों को नई कथा में समेटा गया है। यानी, किरदार 'उमराव जान' उपन्यास से लिए गए हैं, लेकिन कहानी और संवाद नए हैं।निर्देशकों के अनुसार, इस नाटक को 'उमराव जान' नाम इसलिए दिया गया है ताकि दर्शकों को अवध की तहज़ीब और तवायफ संस्कृति से जोड़ना आसान हो सके। मंचन से पहले समारोह में शहर की विभिन्न हस्तियों — लेखक, पत्रकार, डॉक्टर, समाजसेवी, और उद्यमियों — को सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान ड्रामा का पोस्टर भी लॉन्च किया गया, जिसमें मुख्य भूमिका निभा रहीं प्रभाती पांडे के साथ दीप सचार और तनिष्का शर्मा ने अपने अनुभव साझा किए। इन कलाकारों ने बताया कि यह नाटक अवध की सांस्कृतिक परंपराओं को आधुनिक अभिव्यक्ति देने का प्रयास है।

लखनऊ में नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान तेज, कई क्षेत्रों में हटाए गए अवैध कब्जे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल के निर्देश पर नगर आयुक्त के आदेशानुसार नगर निगम लखनऊ द्वारा शहर के विभिन्न जोनों में सोमवार को अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया। इस दौरान जोनल अधिकारियों ने पुलिस बल और नगर निगम की प्रवर्तन टीम के सहयोग से अवैध कब्जों को हटाया और अतिक्रमणकर्ताओं को सख्त चेतावनी दी।जोन-3 के अंतर्गत हजारी लाल माध्यमिक विद्यालय से एसबीआई कॉलोनी के पीछे तक नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व जोनल अधिकारी अमरजीत यादव ने किया। उनके साथ अवर अभियंता विनोद पाठक, प्रवर्तन दल 296 और अलीगंज थाने की पुलिस टीम मौजूद रही। कार्रवाई में 20 झुग्गियों और 15 पक्के टीनशेड निर्माणों को ध्वस्त किया गया।वहीं, जोन-5 में जोनल अधिकारी नन्दकिशोर के नेतृत्व में निरीक्षण कर अतिक्रमण हटवाया गया।जोन-6 के दौलतगंज वार्ड में स्थानीय शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की गई। जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में मेहताब बाग बिजली घर से बुलाकी अड्डा चौराहा होते हुए एलडीए कॉलोनी तक अतिक्रमण कर अधीक्षक आलोक कुमार श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक अनुज कुमार और राजू कुमार के साथ प्रवर्तन दल व पुलिस बल की सहायता से नादरगंज और अमौसी औद्योगिक क्षेत्र में अभियान चलाया गया। इस दौरान ठेले, गुमटी, काउंटर आदि अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए। इसके अतिरिक्त नादरगंज-कानपुर मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से लगी आम की मंडी भी समाप्त कराई गई। कुल मिलाकर 10 ठेले, 5 काउंटर और 2 गुमटियां हटाई गईं। चन्दर नगर मार्केट क्षेत्र का भी दोबारा हटाया गया। इस अभियान में 20 ठेले, 6 गुमटी और 15 अस्थायी दुकानों को हटाया गया। अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा कब्जा न करने की सख्त चेतावनी दी गई, साथ ही स्थानीय थानाध्यक्ष को पत्र भेजकर निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया।नगर निगम लखनऊ ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम मार्ग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जारी है और आगे भी इसी तरह की कार्रवाई नियमित रूप से की जाती रहेगी।

दबंगो ने मजदूर पीटा

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में दबंगों ने मजदूर को घेरकर पीट दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित को गंभीर हालत में ट्रामा-2 में भर्ती कराया गया।पीड़ित ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक देवसी खेड़ा मोहारी कला निवासी दिलीप रावत के मुताबिक वह शुक्रवार को छोटी घुसवल से मजदूरी कर घर वापस जा रहा था। शाम करीब 6 बजे अचानक धोधनखेड़ा निवासी दबंग सुशील अपने 10-15 साथियों संग पहुंचा। इसके बाद उस पर लाठी-डंडे व ईंट से हमला कर दिया। हमले में दिलीप के सिर, हाथ व शरीर के कई अंगों में चोट लगी। इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अमेठी पवार हाउस के जेई निलंबित, दो संविदा कर्मी भी हटाये गए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उपखंड कार्यालय अमेठी पर तैनात जेई को सोमवार को नियम विरुद्ध कार्य करने पर अधीक्षण अभियन्ता वि०वि० मण्डल (लखनऊ ग्रामीण) द्वारा निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही दो संविदा कर्मयो को भी हटा दिया गया। इसके साथ ही एसडीओ के विरुद्ध कार्यवाई करने के लिए उच्च अधिकारियों को भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक विद्युत वितरण मण्डल (लखनऊ ग्रामीण), अमौसी क्षेत्र, लखनऊ के अधीनस्थ विद्युत वितरण खण्ड-मोहनलालगंज, अमौसी क्षेत्र, लखनऊ के अन्तर्गत 33/11 के०वी० विद्युत उपकेन्द्र अमेठी पर तैनात अवर अभियन्ता (जेई) धीरज कुमार दीक्षित द्वारा बिना स्टीमेट जमा कराये कनेक्शन निर्गत किये जाने तथा 01 नग पोल नियम विरूद्ध विस्थापित किये जाने से विभाग को राजस्व हानि होने तथा अपने कार्यों तथा दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के दृष्टिगत तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया।

एवं संतोष कुमार कुशवाहा, उपखण्ड अधिकारी अमेठी के विरुद्ध आरोप पत्र निर्गत किया गया है। साथ ही सुखदेव (संविदा), संजीव व दिलीप कुशल श्रमिक (संविदा) को सेवा से हटाये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

जातीय जनगणना की राह हुई साफ, अनुप्रिया पटेल ने बताया सामाजिक न्याय की दिशा में क्रांतिकारी फैसला

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। देश में जातीय जनगणना की लंबे समय से चली आ रही मांग अब हकीकत बनने की दिशा में बढ़ चुकी है। केंद्र सरकार ने जनगणना अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके साथ ही स्वतंत्र भारत में पहली बार जातीय जनगणना का रास्ता भी साफ हो गया है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने इस निर्णय को सामाजिक न्याय के क्षेत्र में ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बताया है।अनुप्रिया पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने सामाजिक न्याय को केवल नारेबाज़ी तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीनी स्तर पर लागू किया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन अपना दल संस्थापक बोधिसत्व डॉ. सोनेलाल पटेल के अधूरे स्वप्न की पूर्ति का दिन है। डॉ. पटेल ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में जातीय जनगणना के लिए संघर्ष किया था। आज का यह फैसला उनके विचारों से प्रेरित हम सबके लिए अपार संतोष का अवसर है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार ने पहले भी वंचित वर्गों के लिए कई निर्णायक पहल की हैं, जिनमें ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देना, मेडिकल शिक्षा में ओबीसी आरक्षण लागू करना, नवोदय, सैनिक और केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश में आरक्षण सुनिश्चित करना, विश्वविद्यालयों के 13 प्वाइंट रोस्टर विवाद का समाधान करना और गरीब कल्याण योजनाओं का लाभ वंचित समाज तक पहुँचाना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार केवल राजनीति नहीं करती, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण के प्रति समर्पित भाव से कार्य करती है।अनुप्रिया पटेल ने इस निर्णय को ₹नीतिगत संकल्प₹ और ₹सामाजिक जिम्मेदारी₹ का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि अब यह केवल आंकड़ों की गिनती नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और समान भागीदारी की नींव बनेगी। एनडीए सरकार ने यह साबित कर दिया है कि वह सामाजिक न्याय को लेकर केवल बात नहीं करती, बल्कि निर्णायक कार्रवाई करती है।

सैन्यकर्मियों को बना चुका था निशाना, 25 हजार के इनामी जालसाज़ को लखनऊ पुलिस और एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

लखनऊ।मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में ज़मीन के नाम पर सेना व अर्द्धसैनिक बलों के जवानों सहित सौ से अधिक लोगों से धोखाधड़ी करने वाला शातिर जालसाज़ आखिरकार कानून के शिकंजे में आ गया। पुलिस कमिश्नर लखनऊ अमरेन्द्र सिंह सेंगर के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत मोहनलालगंज थाना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने आरोपी प्रमोद कुमार उपाध्याय को गिरफ्तार किया। उसके विरुद्ध पहले से ही ₹25,000 का इनाम घोषित था।प्रमोद उपाध्याय ने खुद को एक प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए कई भोले-भाले लोगों को सस्ते प्लॉट देने का लालच देकर ठगा। सेना और अर्द्धसैनिक बलों के उन कर्मियों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया।

BBAU में सत्र 2025–26 की प्रवेश प्रक्रिया जारी, छात्रों में बढ़ती रुचि

» देशभर से आवेदन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व समावेशी माहौल बना रहा आकर्षण का केंद्र

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (BBAU), लखनऊ में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। देशभर से छात्र विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम, अनुभवी शिक्षकों की टीम, समावेशी परिसर और उत्कृष्ट अधोसंरचना इसे छात्रों की पहली पसंद बना रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 24 मई 2025 से प्रारंभ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 18 जून 2025 निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थी https://bbaucuet.samarth.edu.in/pg/ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए ₹500 और एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी अभ्यर्थियों के लिए ₹300 पंजीकरण शुल्क निर्धारित है। विलंब शुल्क ₹1000 के साथ आवेदन की अंतिम तिथि 24 जून 2025 है।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने बताया कि विश्वविद्यालय अकादमिक उत्कृष्टता के साथ सामाजिक समावेशन और नवाचार को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बहु-विषयी, कौशल-आधारित और उद्योग से जुड़े पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया है, जिससे छात्र व्यावहारिक अनुभव और नेतृत्व क्षमताओं के साथ तैयार हो सकें।विश्वविद्यालय में 18 प्रमुख स्कूल्स और 50 से अधिक विभागों में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, डिप्लोमा और शोध स्तर के पाठ्यक्रम संचालित हैं। इस वर्ष कई नए रोजगारपरक व तकनीकी पाठ्यक्रमों की शुरुआत की गई है। इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, फिल्म व थिएटर एक्टिंग, रेडियो-वीडियो जॉकी, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, पाण्डुलिपि विज्ञान, पोस्ट-हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी, डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट, फ्रूट-प्रोसेसिंग, बेकरी, फूड एनालिसिस, न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स, योगा व नैचुरोपैथी, ऑफिस ऑटोमेशन एंड टैली आदि प्रमुख हैं।

विश्वविद्यालय ने हाल ही में इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (IIRF) 2025 में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 19वां स्थान प्राप्त किया है। साथ ही NAAC से 'A' ग्रेड प्राप्त कर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की अपनी साख को मजबूत किया है।एडमिशन सेल कमेटी के चेयरपर्सन प्रो. अमित कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय शिक्षा को नवाचार, कौशल और सामाजिक प्रासंगिकता से जोड़ते हुए छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रहा है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएं, स्टार्टअप एक्सपो, हैकाथॉन और एफडीपी जैसी गतिविधियाँ नियमित रूप से होती हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर एक उद्देश्यपूर्ण और समावेशी शिक्षा पद्धति से जुड़ें। विश्वविद्यालय से निकले छात्र समाज में सकारात्मक परिवर्तन के अग्रदूत बन रहे हैं।

पोषण और स्वास्थ्य से जूझ रहे 80 करोड़ भारतीयों के लिए जीडीपी रैंकिंग अप्रासंगिक

सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों को लेकर यह जुनून आकस्मिक नहीं है। यह वित्त-संचालित नवउदारवादी आर्थिक प्रतिमान की विशेषता है। यह लोगों की स्थिति और उनकी आजीविका के बारे में जितना बताता है, उससे कहीं अधिक छिपाने में मदद करता है। वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा होते हुए भी, यह विकृति भारत में विशेष रूप से स्पष्ट है, जिसे अब दुनिया की सबसे असमान अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है।

नीति आयोग के सीईओ ने दावा किया है कि भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। उन्होंने कम से कम इतना तो सच कहा कि यह बात अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विश्व आर्थिक परिदृश्य में 2025-26 के अनुमानों पर आधारित थी। आगे विस्तार से जानने पर हमें ठीक-ठीक पता चलता है कि भारत की नाममात्र जीडीपी जापान के 4,186.431अरब डॉलर से थोड़ा आगे बढ़कर 4,187.017अरब डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। यह बिलकुल अलग बात है कि भारत की प्रति व्यक्ति आय डॉलर के हिसाब से नाममात्र है और जो जापान की प्रति व्यक्ति आय का मात्र तेरहवां हिस्सा है। इसलिए, मोदी सरकार के आर्थिक थिंक टैंक के समर्थकों के बीच मौजूदा उत्साह, जिसे गोदी मीडिया के चाटुकारों द्वारा और बढ़ाया जा रहा है, विचित्र लगता है।

दरअसल, सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों को लेकर यह जुनून आकस्मिक नहीं है। यह वित्त-संचालित नवउदारवादी आर्थिक प्रतिमान की विशेषता है। यह लोगों की स्थिति और उनकी आजीविका के बारे में जितना बताता है, उससे कहीं अधिक छिपाने में मदद करता है। वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा होते हुए भी, यह विकृति भारत में विशेष रूप से स्पष्ट है, जिसे अब दुनिया की सबसे असमान अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत की आबादी के शीर्ष 1 प्रतिशत के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक संपत्ति है, जबकि निचले 50 प्रतिशत के पास केवल 3 प्रतिशत है। आय असमानता भी उतनी ही स्पष्ट है - शीर्ष 10 प्रतिशत लोग राष्ट्रीय आय का 57 प्रतिशत से अधिक कमाते हैं। इस संदर्भ में, समग्र जीडीपी और यहां तक कि प्रति व्यक्ति जीडीपी के प्रति जुनून केवल एक भ्रामक मीट्रिक नहीं है; यह तो कॉर्पोरेट-सामुदायिक गठजोड़ द्वारा सार्वजनिक चर्चा को विचलित करने के लिए जानबूझ कर बनाई जा रही हवा है।

इसका आधार स्पष्ट और जोरदार है। जैसा कि ब्राजील के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अल्फ्रेडोसाद-फिल्हो ने 2006 में देखा था, 'यह वित्त-संचालित नवउदारवादी शासन के तहत सामाजिक जीवन के सभी क्षेत्रों में गैर-हस्तक्षेप के वैचारिक आवरण के तहत एक आधिपत्य परियोजना को लागू करने के लिए राज्य शक्ति के व्यवस्थित उपयोग पर आधारित शोषण और सामाजिक वर्चस्व है। वित्तीय बाजारों और अमेरिकी पूंजी के वैश्विक हितों के तहत, वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन पूंजी का मुख्य कार्य नहीं रह गया है। इसके बजाय, पूंजी अब मुख्य रूप से सट्टा वित्तीय गतिविधियों के माध्यम से अल्पकालिक सुपर-मुनाफा उत्पन्न करने के लिए तैनात की जाती है।

वित्त द्वारा मध्यस्थता, अर्थव्यवस्था में पूंजी के तीन मुख्य स्रोतों- राज्य वित्त, घरेलू बचत पूल और घरेलू और विदेशी पूंजी के बीच संबंध -पर नियंत्रण तेजी से अनियमित और केंद्रित हो गया है। यह गतिशीलता उस हताशा में परिलक्षित होती है जिसके साथ ट्रम्प प्रशासन ने घरेलू विनिर्माण नौकरियों को पुनर्जीवित करने के प्रयास में टैरिफ युद्ध को आगे बढ़ाया। विडंबना यह है कि यह अमेरिका के नेतृत्व वाले साम्राज्यवाद के तत्वावधान में जिसमें वित्त का वैश्विक प्रभुत्व पहली बार स्थापित हुआ था। सदी के अंत में, 2000 में, वैश्विक विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) 400 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ गया, जबकि वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) केवल 65 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर था - प्रत्यक्ष निवेश के प्रत्येक डॉलर के लिए, स्टॉक और डेरिवेटिव जैसे सट्टा साधनों में सात डॉलर डाले गये। लगभग एक चौथाई सदी बाद, वित्त का प्रभुत्व और भी अधिक स्पष्ट है।

स्पष्ट रूप से, आईएमएफ के अनुमानित जीडीपी आंकड़े समकालीन पूंजीवाद के आंतरिक कामकाज या श्रमिक वर्ग के लिए इसके विनाशकारी परिणामों को समझाने के लिए अत्यल्प जानकारी प्रस्तुत करते हैं। भारत में, आबादी का शीर्ष 1 प्रतिशत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत नियंत्रित करता है। इसका मतलब है कि लगभग 1.4अरब लोगों की प्रति व्यक्ति आय केवल 1,670 अमरीकी डॉलर के आसपास रह गयी है। अगर हम देश की 62 प्रतिशत संपत्ति पर नियंत्रण रखने वाले शीर्ष 5 प्रतिशत लोगों को हटा दें, तो औसत और भी गिरकर लगभग 1,100 अमेरिकी डॉलर हो जाता है - जो सालाना 1 लाख रुपये से भी कम है।

इजराइल दुनिया को एक बड़े युद्ध में झोंकने की तैयारी में!

शकील अखतर

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया शांति की तलाश में थी और विज्ञान के जरिए उस शांति में सुख समृद्धि लाना चाहती थी। उसी दौर में हिटलर के अत्याचारों से एक पूरी कौम के नष्ट हो जाने की आशंका को देखते हुए दुनिया ने यहूदियों को जर्मनी से निकालकर अरब देशों के बीच एक सुरक्षित ठिकाना दिया।

समय आ गया है बदलाव का। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, इराक, कुवैत, कतर सब तेल के पैसों से बहुत अमीर देश हैं। मगर इजराइल की गुंडागर्दी का मुकाबला नहीं कर पाते। दुनिया के सारे आविष्कार, पैसा, अमेरिका, पश्चिमी देशों और इजराइल के पास। और इसी दम पर यह सब मिलकर 57 इस्लामिक मुल्कों को कुछ नहीं समझते। विज्ञान और तकनीक में प्रगति इंसान की बेहतरी के लिए। मगर आज लग रहा है कि वह विनाश के लिए है। पूरी मानवता के विनाश के लिए। कुछ देशों ने उसका ऐसा ही विकास किया है।

एक समय था जब स्कूल में फिर कालेज में भी वाद-विवाद में यह विषय जरूर होता था कि विज्ञान वरदान या अभिशाप! वह समय नेहरू के साइंटिफिक टेंपर (वैज्ञानिक मिजाज) के बाद का था और देश में ही नहीं विदेशों में भी विज्ञान इंसान की जिन्दगी को आसान और खुशहाल बना रहा था।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया शांति की तलाश में थी और विज्ञान के जरिए उस शांति में सुख समृद्धि लाना चाहती थी। उसी दौर में हिटलर के अत्याचारों से एक पूरी कौम के नष्ट हो जाने की आशंका को देखते हुए दुनिया ने यहूदियों को जर्मनी से निकालकर अरब देशों के बीच एक सुरक्षित ठिकाना दिया। इजराइल नाम का एक नया देश बना। लेकिन जो पीड़ति था वह बाद में खुद दूसरों के लिए इतनी बड़ी समस्या बन जाएगा कि एक और बड़े युद्ध की आशंका दुनिया को डराने लगेगी यह किसी ने नहीं सोचा था। पहले गजा में नरसंहार। दो साल होने जा रहे हैं। करीब 60 हजार फिलीस्तिनियों को इजराइल ने मारा। जिनमें बड़ी तादाद में बच्चे शामिल हैं। यूनिसेफ जो संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है बच्चों के लिए काम करने वाली, उसके आंकड़ों के मुताबिक जख्मी और मारे गए बच्चों की तादाद 50 हजार के करीब है। इजराइल ने गजा पहुंचने वाली सारी रसद दूध, दवाइयां बंद कर रखी है जिसकी वजह से मौत की संख्या रोज बढ़ रही है।

एक छोटा सा देश इजराइल जो चारों तरफ से अरब देशों से घिरा हुआ है किस तरह इतना अत्याचार कर पा रहा है। एक अमेरिका के समर्थन तो है मगर जिस तरह उसने नए-नए हथियार बना लिए हैं, सुरक्षा सिस्टम जिसे आयरन डोम कहा जाता है उससे वह खुद को अजेय और पूरी तरह सुरक्षित समझ रहा है। इसी भ्रम में उसने ईरान पर हमला बोल दिया। लेकिन ईरान के जवाबी हमले ने उसके आयरन डोम से सुरक्षा की खुशफहमी को तोड़ दिया। मीडिया सारा पश्चिमी है। वह मुख्यत: इजराइल का साथ दे रहा है। इजराइल के हमले से ईरान को कितना नुकसान हुआ यह तो बढ़ा चढ़ाकर बता रहा है। मगर ईरान ने उसका कितना नुकसान किया इस पर कहता है कि ईरान के दावे हैं मगर इजराइल खंडन करता है।

यह मीडिया रुस-युक्रेन युद्ध में युक्रेन को उकसा रहा था। भारत से भी सारे न्यूज चैनलों को युक्रेन ले जाया गया था। यह पश्चिमी मीडिया अमेरिका के हितों को देखकर काम करता है। हमारे यहां भी लोग इसके प्रभाव में आ जाते हैं।

मगर भारत-पाक के बीच अभी हुए सीमित युद्ध में हम लोगों को इस पश्चिमी मीडिया ने झटका दिया। चूंकि अमेरिका पाकिस्तान के साथ खड़ा था तो उसका मीडिया भी पाकिस्तान के पक्ष में प्रचार कर रहा था। हमें अपनी विदेश नीति देश हित के अनुरूप रखना चाहिए। मगर मोदी जी द्वारा इसे अपनी व्यक्तिगत छवि बनाने के लिए उपयोग करने से दुनिया में हम अकेले पड़ गए। सच को सच कहने के साहस की वजह से विश्व में हमारा सम्मान था। मगर अब हम बचने लगे। अभी संयुक्त राष्ट्र महासभा में गजा में संघर्ष विराम के लिए हुई वोटिंग से हम दूर हट गए। मतलब हमने संघर्ष विराम के पक्ष में वोटिंग नहीं की। संदेश गया कि भारत शांति नहीं चाहता। 193 सदस्यीय महासभा में युद्ध विराम के पक्ष में 149 वोट पड़े। विरोध में केवल 12 और 19 देश जिनमें भारत भी था ढुलमुल। भारत ऐसा कभी नहीं था। वह तो इनमें से 120 देशों का नेतृत्व करता था। गुटनिरपेक्ष आंदोलन। नेहरू इसके नेता थे। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने बहुत तगड़ा हमला किया। पूछा कि क्या आज युद्ध और नरसंहार के खिलाफ भी खड़े होने की मोदी सरकार में हिम्मत नहीं है? कांग्रेस ने कहा यह शर्मनाक है। भारत हमेशा शांति न्याय और मानवीय गरिमा के पक्ष में खड़ा रहा है।

मोदीजी भूल रहे हैं कि पिछले दिनों बिहार चुनाव के समय उन्होंने जिन दिनकर को याद किया था। उन्होंने लिखा था कि 'जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनके भी अपराध!' और उनके ही गुजरात सूरत के शायर वसीम मलिक ने इसे और आगे बढ़ाते हुए कहा है कि - -

'इसलिए जिन्दा हूं कि मैं बोल रहा हूं
दुनिया किसी गूंगे की कहानी नहीं लिखती!'

खैर मोदी जी को कौन समझा सकता है। अचानक सीज फायर पर तो भाजपा और संघ भी उन्हें नहीं समझा पाए। अब तो वक्त ही उन्हें समझाएगा। मगर बात हम कुछ दूसरी कर रहे थे। लेकिन आजकल आप बात कोई करो मोदी जी ने इतना निराश कर दिया है कि बात उन तक आ ही जाती है।

बात थी दुनिया पर मंडराते एक बड़े युद्ध के खतरे की। जिसे इजराइल ने शुरू किया है। जिस देश से सीमा नहीं मिलती, बीच में कई देश आते हैं, ढाई हजार किलोमीटर दूर है उस पर हवाई हमले करके। उसकी आबादी केवल 90 लाख है। ईरान की 9 करोड़। भूभाग इजारइल का केवल 22 हजार वर्ग किलोमीटर है और ईरान का 16 लाख वर्ग किलोमीटर से ज्यादा। मतलब 70 गुना ज्यादा क्षेत्रफल और 10 गुना ज्यादा आबादी।

और एक तथ्य बताते हैं इजराइल चारों तरफ से अरब देशों से घिरा हुआ है। और दुनिया में 57 इस्लामिक कंट्री हैं। जो खुद को फिलिस्तीनियों के अधिकारों का समर्थक बताते हैं। इनका एक संगठन भी है इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) लेकिन गजा में नरसंहार के दो साल होने जा रहे हैं यह संगठन अभी तक इसे रोकने की कोई ठोस पहल नहीं कर पाया। इसमें सउदी अरब जैसे अमेरिका के कई निकटतम मित्र देश हैं। मगर अमेरिका गजा में युद्ध विराम नहीं होने देता और उसके साथ बहुत मधुर संबंध रखने वाले इस्लामिक देश जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है उससे कुछनहीं कह पाते।

समस्या क्या है? वही, जो हमने शुरू में कही। विज्ञान और तकनीक का उपयोग तरक्की के लिए करना। इस्लामिक देशों ने इस नजरिए से कभी सोचा ही नहीं। मार्डन एजुकेशन साइंस और टेक्नोलाजी में वे इजराइल से बहुत पीछे रह गए। इसलिए इतना छोटा देश अपने जन्म के बाद से इस्लामिक मुल्कों को लगातार चैलेंज कर रहा है। हमने ऊपर ही लिखा कि विज्ञान को विनाश तक ले जाने के बहुत दुष्परिणाम होंगे। इजराइल वही कर रहा है। ईरान परमाणु शक्ति सम्पन्न देश है। ढाई हजार किलोमीटर जाकर उस पर हमला करने को वह या कोई भी देश स्वीकार नहीं कर सकता। और वह भी उससे आबादी और क्षेत्रफल दोनों में बहुत छोटा। मगर ईरान सहित दूसरे सभी इस्लामिक मुल्क जिन्हें इजारइल लगातार 1948 से अपनी स्थापना के बाद से चैलेंज कर रहा है इसलिए उससे अभी तक नहीं जीत सके कि साइंस टेक्नालाजी एजुकेशन अर्थव्यवस्था किसी में भी वह सब मिलकर भी इजराइल के बराबर नहीं हैं।

अजब-गजब

'बबलू बंदर' ने इंटरनेट पर मचाया कोहराम! देख लोग बोले- ये AI कुछ भी कर सकता है

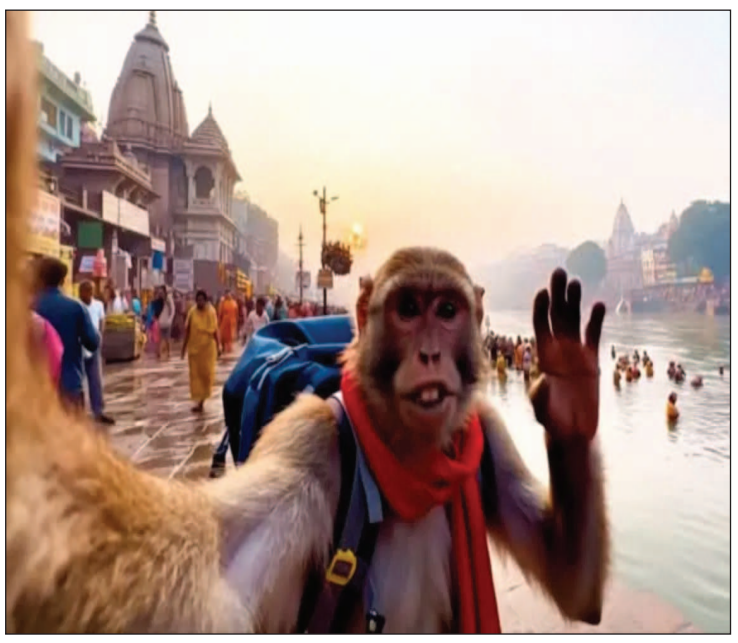

कल्पना कीजिए, अगर बंदर भी इंसानों की तरह व्लॉगिंग करने लगें तो क्या धमाल होगा। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों इंटरनेट की 'दुनिया' में खूब धूम मचा रहा है, जिसने नेटिजन्स का दिल जीत लिया है। वैसे तो यह वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद से बनाया गया है, लेकिन इतना जोरदार है कि पूछिए की मत। यही वजह है कि इसे कुछ ही घंटों में करोड़ों बार देखा जा चुका है।

वायरल हो रहे वीडियो में एक बंदर है, जिसे 'व्लॉगर बबलू' नाम दिया गया है, जो हरिद्वार की हरकी पौड़ी पर गंगा मैया के दर्शन करते हुए दिखाई दे रहा है। नमस्ते दोस्तों कहकर बबलू बंदर अपने व्लॉग की शुरुआत फुल एनर्जी के साथ करता है। इसके बाद वह कहता है, आज मैं गंगा मां के दर्शन के लिए हरिद्वार के हरकी पौड़ी आया हूं। काफी एनर्जी फील हो रही है। यहां बहुत लोग स्नान कर रहे हैं और मंत्र गुनगुना रहे हैं। फिर वह कहता है, मैं भी रेडी हूं स्पिरिचुअल व्लॉग विद बबलू स्टाइल में।

इसके बाद एआई से बने बंदर को नदी में खड़ा दिखाया गया है, और वो दर्शकों को बताता है कि ये गंगा में उसका पहला स्नान है। बबलू कहता है, पानी थोड़ा ठंडा है, पर दिल को सुकून मिल रहा है। एआई बंदर यह सबकुछ किसी प्रोफेशनल व्लॉगर की तरह बोलते हुए नजर आता है। फिर शाम की आरती की व्लॉगिंग करते हुए वह लोगों को बताता है वहां उसे कितनी शांति महसूस हो रही है।

@vloggerbabloo_ai नामक इंस्टाग्राम अकाउंट से वायरल हुआ यह वीडियो इंटरनेट पर खूब धमाल मचा रहा है। लोग इस वीडियो को किस कदर पसंद कर रहे हैं, इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि एक दिन में ही पोस्ट को 63 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं, जबकि 18 हजार से अधिक कमेंट्स आए हैं।

एक यूजर ने लिखा, एआई कुछ भी कर सकता है भाई, और ये उसका जीता-जागता सबूत है। दूसरे ने मौज लेते हुए कहा, ये बंदर कब से यूट्यूब चैनल खोलने लग गए। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, इस बंदर ने अलग ही कोहराम मचा रखा है।

ब्लॉग

मिरज में मौजूद है, सितार को 'जन्म' देने की परंपरा?

नजरुल हक

वैश्विक मान्यता के बावजूद, मिरज के कारीगर आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं में गिरावट, सस्ते कारखाना-निर्मित वाद्यों की उपलब्धता और संस्थागत सहयोग की कमी इस कला के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। फिर भी यह समुदाय डटा हुआ है। स्थानीय संगठनों और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने इन कारीगरों के काम का दस्तावेज़ीकरण करना शुरू किया है।

दक्षिण महाराष्ट्र के सांगली ज़िले में, कर्नाटक की सीमा के पास स्थित ऐतिहासिक नगर मिरज पहली नज़र में साधारण सा प्रतीत हो सकता है। एक छोटा रेलवे जंक्शन, धूल भरे बाज़ार और शांत आवासीय मोहल्ले- ये सब इस नगर की गहराई और महत्व को तुरंत नहीं दर्शाते, लेकिन पिछले 150 वर्षों से अधिक समय से मिरज भारत के सांस्कृतिक नक्शे पर एक विशिष्ट स्थान रखता है- केवल शास्त्रीय संगीत के एक केंद्र के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हस्तनिर्मित परंपरा के हृदय-स्थल के रूप में, जो अब भी दुनिया के बेहतरीन तार-वाद्य यंत्रों का निर्माण करती है।

जब आप उस संकरी गली में प्रवेश करते हैं जिसे पहले 'सितारमेकर गली' के नाम से जाना जाता था—और अब इसे आधिकारिक तौर पर 'फ़रीदसाहब सितारमेकर मार्ग' कहा जाता है—तो आप एक ऐसी दुनिया में पहुंच जाते हैं जहां लकड़ी, धातु और मानवीय स्पर्श मिलकर ऐसी ध्वनियां रचते हैं जो विश्व भर के संगीत सभागारों में गूंजती हैं। यह गली बहुत लंबी नहीं है, मुश्किल से कुछ सौ मीटर की, लेकिन इसका महत्व अत्यधिक है। यहीं पीढ़ियों से कारीगर सितार, तानपुरा, सरोद और वीणा जैसे तार-वाद्य यंत्रों को बनाते आए हैं—ऐसी तकनीकों से जो मौखिक परंपरा से चली आ रही हैं और जिन्हें अभ्यास, अंतर्ज्ञान और भक्ति से परिष्कृत किया गया है।

मिरज के सितार निर्माण केंद्र में बदलने की कहानी 19वीं सदी में शुरू होती है, एक दूरदर्शी कारीगर—फ़रीदसाहब सितारमेकर—के साथ। फ़रीदसाहब का जन्म 1827 में हुआ था। वे शिकलगारों के समुदाय से थे। ये मुस्लिम धातु-शिल्पकारों का एक समुदाय था जो मूलतः 17वीं सदी में बीजापुर के आदिलशाही शासन के दौरान मिरज में आकर बस गया था। ये कुशल कारीगर पारंपरिक हथियारों, जैसे-तलवारें, ढालें और कटार बनाने और मरम्मत करने में विशेषज्ञ थे। पीढ़ियों तक, उनके जीवन की लय थीः हथौड़े की टनटनाहट और लोहे पर पड़ती चोट।

लेकिन 18वीं और 19वीं सदी के आगमन के साथ गहरे परिवर्तन आए। बारूद वाले हथियारों के उदय, भारतीय रियासतों के पतन और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के सुदृढ़ होने के कारण शिकलगारों की पारंपरिक कला अप्रासंगिक हो गई। अब जब युद्धों में तलवारों और भालों की आवश्यकता नहीं रही, तो उनका कौशल भी समाप्ति की कगार पर पहुंच गया। भारत के कई कारीगर समुदायों की तरह, उन्हें भी पुनर्निर्माण या विलुप्ति के बीच चयन करना पड़ा। कई शिकलगारों ने सामान्य बढ़ईगिरी, घरेलू औज़ार बनाने या धातु-सज्जा का काम अपनाया, लेकिन फ़रीदसाहब ने, जो उस समय सांस्कृतिक रूपांतरण के दौर से गुज़र रहे मिरज में रह रहे थे, एक अलग राह देखी।

उसी समय मिरज पर 'पटवर्धन वंश' का शासन था और श्रीमंत बालासाहब पटवर्धन (द्वितीय) को कला का विशेष संरक्षणकर्ता माना जाता था। उन्होंने उत्तर भारत से संगीतज्ञों को मिरज बुलवाया और बसाया, जिससे यह नगर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का एक केंद्र बन गया। कलाकारों के साथ वाद्ययंत्र भी आए और उनके साथ उनकी मरम्मत, स्वरलयन और अंततः विशेष निर्माण की ज़रूरतें भी।

फ़रीदसाहब ने तार-वाद्य यंत्रों की मरम्मत से शुरुआत की और उनके निर्माण की बारीकियों को गहराई से समझना शुरू किया। उनमें जन्मजात जिज्ञासा थी, वे टूटे-फूटे पुराने वाद्ययंत्रों को खोलकर उनके ध्वनि-विज्ञान को समझने का प्रयास करते थे। उनके वंशजों के बीच एक चर्चित किस्सा है कि फ़रीदसाहब कई हफ्तों तक एक सितार के पास सोते रहे, रात के अलग-अलग समय पर उसे थपथपाते रहते, ताकि आर्द्रता और तापमान का उसकी ध्वनि पर कैसा असर पड़ता है, यह जान सकें।

उनकी असली खोज तब हुई जब उन्होंने पाया कि स्थानीय खेतों में उगने वाली लौकी—जिनका उपयोग साधु जलपात्र के रूप में करते थे—ध्वनि अनुनाद (रेजोनेन्स) के लिए आदर्श होती हैं। ये लौकियां या तो स्थानीय खेतों से प्राप्त की जातीं या विशेष रूप से उगाई जातीं। इन लौकियों को धीरे-धीरे सुखाकर और संसाधित कर 'प्राकृ तिक अनुनाद कक्ष' (रेजोनेटर) बनाया जाता था। अपने भाई मोइनुद्दीन की सहायता से फ़रीदसाहब ने हाथ से ही पूरी तरह सितार बनाना शुरू किया—लकड़ी की किस्मों, तारों के तनाव और जावरी (जो वाद्य के स्वरगुण को आकार देती है) के सूक्ष्म संतुलन पर प्रयोग करते हुए

उनकी साधारण सी कार्यशाला से जो वाद्य निकले, उनमें एक विशिष्ट ध्वनि थी—गंभीर, समृद्ध और गहराई लिए हुए। धीरे-धीरे यह बात फैलने लगी। जैसे-जैसे मांग बढ़ी, फ़रीदसाहब ने अपने बेटों और शिष्यों को प्रशिक्षण देना शुरू किया। जल्द ही पूरे-के-पूरे परिवार इस कला में लग गए और 'सितारमेकर गली' एक जीवित संग्रहालय बन गई। समय के साथ मिरज उच्च गुणवत्ता वाले तारवाद्यों के पर्याय के रूप में प्रसिद्ध हो गया। भारत और दुनिया भर के संगीतज्ञ मिरज से विशेष आदेश पर वाद्य मंगवाने लगे।

20वीं सदी के मध्य तक मिरज के वाद्यों की ख्याति किंवदंती बन चुकी थी। पंडित रविशंकर—जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को पश्चिम में लोकप्रिय किया—ने मिरज से सितार बनवाए। उस्ताद विलायत ख़ान ने भी, जिनकी 'विलायतखानी' सितार शैली आज भी वाद्य-निर्माताओं को प्रेरित करती है, मिरज के सितारों को अपनाया। वास्तव में, कुछ मिरज में बने सितारों के नाम ही 'रविशंकर शैली' या 'विलायत ख़ान शैली' रखे गए हैं—ये नाम डिज़ाइन के स्वामित्व की बजाय उन विशिष्ट ध्वनि-गुणों को दर्शाते हैं जिन्हें ये महान संगीतज्ञ पसंद करते थे। एक बार विलायत ख़ान के एक शिष्य ने कहा था, 'मिरज का सितार केवल गाता नहीं है—वह सांस भी लेता है।'

आज भी मिरज के कारीगर किसी स्वचालित मशीनरी का उपयोग नहीं करते। उनके औज़ार सरल हैं—छीनी, रेसर, हस्त-ड्रिल और लकड़ी की क्लैंप। कार्यशाला की प्रक्रिया सहयोगी होती हैः हर कारीगर किसी एक हिस्से में विशेषज्ञ होता है—चाहे वह तुम्बा (लौकी) को तराशना हो, डंडी (गर्दन) बनाना हो या फ़्रेट्स को स्वरलय देना हो।

जो बात मिरज को विशिष्ट बनाती है, वह है इसकी कला से निकटता और आत्मीयता। यहां वाद्य तैयार नहीं किए जाते, उन्हें 'जन्म' दिया जाता है—हर संगीतज्ञ की हथेली, शैली और ध्वनि-रुचि के अनुसार विशेष रूप से। एक मिरज का सितार बनकर तैयार होने में कई सप्ताह या महीने लग सकते हैं, यह उसकी जटिलता और कारीगर की व्यस्तता पर निर्भर करता है।

इस शिल्प का अधिकांश ज्ञान आज भी लिखित नहीं है। यह अवलोकन और मौखिक परंपरा के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है, जहां युवा शागिर्द अपने बड़ों की सहायता करते हुए सीखते हैं—लकड़ी की नसों, वार्निश की गाढ़ाई या फ्रेट संरेखण की बारीकियों को आत्मसात करते हुए। एक कारीगर ने कभी कहा था, 'आप केवल सितार बनाना नहीं सीखते—आप उसे जन्म लेने से पहले सुनना सीखते हैं।'

वैश्विक मान्यता के बावजूद, मिरज के कारीगर आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं में गिरावट, सस्ते कारखाना-निर्मित वाद्यों की उपलब्धता और संस्थागत सहयोग की कमी इस कला के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। फिर भी यह समुदाय डटा हुआ है। स्थानीय संगठनों और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने इन कारीगरों के काम का दस्तावेज़ीकरण करना शुरू किया है, कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन भी हो रहा है। आधुनिक शास्त्रीय संगीतज्ञों में हस्तनिर्मित वाद्यों के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है, जिससे संरक्षण का एक धीमा, लेकिन स्थिर पुनरुत्थान हो रहा है।

आज भी जब आप 'फ़रीदसाहब सितारमेकर मार्ग' से गुजरते हैं, तो कार्यशालाओं में गहरी एकाग्रता-भरा सन्नाटा गूंजता है। युवा लड़के अपने पिता और चाचा की सहायता करते हैं—छोटे औज़ार पकड़ाते हुए, फ्रेट काटते या नए तने हुए सितार को सुर में मिलाते हुए। हवा में रोज़वुड के बुरादे और वार्निश की सुगंध है, और कहीं पीछे एक तानपुरा धीरे-धीरे गुनगुना रहा है।

बचपन की एक 'नादानी' और गंवाई नौकरी, एग्जाम क्रैक होने के बाद भी नहीं बन पाए कॉन्सटेबल, 93 अभ्यर्थियों के साथ ये क्या हुआ?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा का रिजल्ट आ गया है। इसके बाद नियुक्ति पत्र देने के लिए परीक्षा में पास होने वाला अभ्यर्थी लखनऊ स्थित डिफेंस एक्सपो पहुंचे, जहां गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभ्यर्थियों को उनके नियुक्ति पत्र सौंपे। इस बीच 93 छात्र ऐसे थे, जो परीक्षा पास करने के बावजूद इस नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में शिरकत नहीं कर पाए।

93 लड़कों को उत्तर प्रदेश कॉन्सटेबल भर्ती परीक्षा पास करने के बाद भी नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में नहीं बुलाया गया। इसकी वजह इन अभ्यर्थियों के खिलाफ किसी न किसी मामले में मुकदमे दर्ज हैं। ऐसे में

परीक्षा पास करने के बावजूद इन अभ्यर्थियों के हाथ से सरकारी नौकरी और पुलिस कॉन्सटेबल का रुतबा निकल गया। हालांकि इनके पास ऑप्शन ये है कि या तो ये अभ्यर्थी केस में बरी हो जाएं या फिर किसी तरह से केस को खत्म या सुलह करा लें।

अभ्यर्थियों के बैकग्राउंड की जांच

जिन अभ्यर्थियों का नियुक्ति पत्र रोक दिए गए। उनके ऊपर दर्ज मुकदमों का तब पता चला, जब पुलिस भर्ती परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद सभी अभ्यर्थियों के बैकग्राउंड की जांच कराई गई। तब कई अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र में गड़बड़ी पाई गई और इन्हीं में से 93 अभ्यर्थी ऐसे थे, जिनके ऊपर मारपीट या गाल-गलौज जैसे मामले ही दर्ज हैं। इनमें से कई ऐसे केस थे, जो बचपन में दर्ज हुए थे। लेकिन इनका खामियाजा अब इन अभ्यर्थियों को भुगतना पड़ रहा है।

पुलिस ऑफिस की ओर से दी गई सलाह

अब इन अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र पाने के लिए पुलिस ऑफिस की ओर से सलाह दी गई है कि दो सिचुएशन में ही उन्हें नियुक्ति पत्र मिल सकते हैं। पहला ये कि उनकी स्थिति साफ हो और दूसरा ये कि उनके पास हाईकोर्ट से आदेश हो। अब सभी अभ्यर्थी अपने-अपने ऊपर दर्ज मामलों को सुलझाने की कोशिश में जुट गए हैं। इसके अलावा जिन लोगों ने अपने शपथ पत्र में गलत जानकारी दी थी। उनके पास किसी भी तरह का कोई और ऑप्शन नहीं है।

93 अभ्यर्थियों के हाथ से नौकरी छिन गई!

इस तरह बचपन में की गई नादानी और झगड़े की वजह 93 अभ्यर्थियों के हाथ सरकारी नौकरी छिन गई। हालांकि जो अपनी स्थिति बेदाग साबित कर देंगे। उन्हें नियुक्ति पत्र मिल जाएगा। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में पूरे राज्य से सिलेक्ट हुए अभ्यर्थियों को बुलाया गया था। इनमें 1498 में से 1368 गोरखपुर से चयनित छात्र शामिल थे, जिनमें 268 महिला अभ्यर्थी भी थीं।

पिता ने लगाई डांट तो किशोर ने निगल लीं 17 कीलें... पेट में असहनीय दर्द और चुभन ; ऐसे बची जिंदगी

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। आजकल मां-बाप की डांट से बच्चे इस कदर उग्र हो रहे हैं कि वे कोई भी कदम उठा ले रहे हैं। गोरखनाथ क्षेत्र में फर्नीचर का काम करने वाले एक कारीगर के 14 वर्षीय बेटे ने घरवालों से नाराज होकर गुस्से में लोहे की 16-17 कीलें निगल लीं।

24 घंटे बाद जब पेट में असहनीय दर्द और चुभन शुरू हुई तब जाकर उसने बात घरवालों को बताई।घरवाले पहले सरकारी अस्पताल ले गए, वहां से शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोलोनोस्कोपी की मदद से सभी कीलें बाहर निकाल ली गई हैं।

अब उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।परिजनों ने बताया कि लड़के को अच्छी आदत सिखाने के लिए पिता ने हल्की डांट लगाई थी। इससे नाराज होकर घर में फर्नीचर बनाने के लिए रखीं छोटी-छोटी 16-17 कीलें निगल लीं।

परिजन उसे एक सरकारी

अस्पताल लेकर गए, जहां से रेफर कर दिया गया। इसके बाद वे शहर के ही एक प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचे। वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉ. विवेक मिश्र ने एक्स-रे करवाया। रिपोर्ट में कीलें छोटी और बड़ी आंत के जंक्शन पर धंसे होने की जानकारी मिली।

नुकीली कीलें धंसने की वजह से आंत में घाव हो गया था। कील निकालने के लिए कोलोनोस्कोपी की मदद ली गई। लगभग एक घंटे में सभी कीलें निकल जाने पर किशोर को पेट दर्द से राहत मिली।

अक्सर छोटे बच्चे खेलते-खेलते कोई सामान निगल लेते हैं, लेकिन यह अपनी तरह का एक अलग ही मामला था। कीलें निगलते वक्त कहीं नहीं चुभीं, बल्कि वह छोटी व बड़ी आंत के जंक्शन पर जाकर धंस गई थीं। इसी वजह से यह आगे नहीं बढ़ रही थीं। अगर जल्द इन्हें बाहर नहीं निकाला जाता तो आंत क्षतिग्रस्त हो जाती। - डॉ. विवेक मिश्र, गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट

'इतनी गोलियां मारूंगी कि घरवाले पहचान नहीं पाएंगे...' लड़की ने पेट्रोल पंप कर्मचारी के सीने पर सटाया रिवाल्वर

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई में एक युवती का फिल्मी अंदाज में पेट्रोल पंप कर्मी को रिवाल्वर दिखाकर धमकाने का वीडियो सामने आया है। कार में सीएनजी डलवाते समय गाड़ी से उतरने का आग्रह करने पर तमतमाई युवती ने पेट्रोल पंप कर्मी के सीने पर रिवाल्वर सटा दी। इसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने युवती के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिलग्राम थाना क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप पर ये घटना हुई। पेट्रोल पंप कर्मी रजनीश ने बताया कि वह रोज की तरह गाड़ियों में सीएनजी रिफिल कर रहा था, तभी शाहाबाद के मोहल्ला गिगियानी निवासी एहसान खान अपने परिवार के साथ अपनी कार में सीएनजी रिफिल कराने आए। सेफ्टी को लेकर कर्मचारियों ने सभी लोगों को कार से उतरने के लिए कहा। इसी बात को लेकर सभी अभद्रता करने लगे।

दहशत में पेट्रोल पंप कर्मी

पेट्रोल पंप कर्मियों के मुताबिक,देखते ही देखते एहसान खान की पुत्री अरीबा लाइसेंसी रिवाल्वर एक कर्मचारी के सीने पर सटा दी और कहा कि इतनी गोलियां मारूंगी कि घरवाले पहचानने से इनकार कर देंगे। हालांकि, एक शख्स बीच-बचाव करते हुए युवती को दूर ले जाता है। पीड़ित ने बताया कि इस घटना से वह दहशत में हैं। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। अचानक हुई घटना से सभी पेट्रोल पंप कर्मी डरे हुए हैं। बिलग्राम पुलिस दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर कार्यवाई में जुट गई है। हरदोई के पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने बताया कि पीड़ित पेट्रोल पंप कर्मी रमेश के द्वारा प्रार्थना पत्र और एक वीडियो प्रस्तुत किया गया है, जिसमें एक युवती के द्वारा रिवाल्वर दिखाकर डराने का प्रयास किया जा रहा है। आरोपी अरीबा पुत्री एहसान खान के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला पंजीकृत कर लिया गया है। मामले में आवश्यक विधि कार्यवाही की जा रही है।

यूनाइटेंड नेशंस में जयश्री राम से की थी स्पीच की शुरुआत, कौन है चंद्रशेखर आजाद पर शोषण का आरोप लगाने वाली लड़की ?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगीना लोकसभा सीट से सांसद भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद एक बार फिर विवादों में हैं। इस बार उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं पीएचडी स्कॉलर और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ रोहिणी घावरी ने। रोहिणी का आरोप है कि चंद्रशेखर आज़ाद ने उनका और कई अन्य युवतियों का शोषण किया। डॉ। रोहिणी मूल रूप से इंदौर की रहने वाली हैं। लेकिन वर्तमान में वे स्विट्जरलैंड में रह रही हैं और एक एनजीओ चला रही हैं।

रोहिणी के मुताबिक, वर्ष 2019 में उन्हें उच्च शिक्षा के लिए स्विट्जरलैंड जाने का मौका मिला था, जहां उन्हें एक करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान की गई, ताकि वे अपनी पीएचडी पूरी कर सकें। बीते पांच वर्षों से वहीं रहकर शोध और सामाजिक कार्य किए हैं। संयुक्त राष्ट्र

(UN) में उनके एक भाषण ने उन्हें खासा चर्चा में ला दिया था, जिसकी शुरुआत उन्होंने 'जय श्री राम' के उद्घोष से की थी। इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी पहचान मिली।

आरोपों की जद में चंद्रशेखर आज़ाद

डॉ रोहिणी के मुताबिक, जब वह चंद्रशेखर आजाद के साथ रिश्ते में थीं, तब उन्हें यह जानकारी मिली कि चंद्रशेखर पहले से शादीशुदा हैं। उनके अनुसार, यह जानकारी उनके लिए एक भावनात्मक आघात थी। रोहिणी का कहना है कि अब तक उन्होंने चुप्पी साधे रखी थी, लेकिन जब अन्य लड़कियों ने भी इसी तरह के अनुभव साझा किए, तो उन्होंने इस मामले को सार्वजनिक करने का फैसला किया।

रोहिणी का दावा है कि कई युवतियां उनसे संपर्क कर रही हैं और सभी का आरोप है कि चंद्रशेखर आजाद ने उनके साथ भी गलत बर्ताव किया है। उन्होंने साफ किया है कि अब वो कानूनी रास्ता अपनाएंगी और इस मामले को कोर्ट तक ले जाएंगी।

चुनाव तक चुप क्यों रहीं?

इस सवाल पर डॉ रोहिणी ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 तक इसलिए चुप्पी बनाए रखी, क्योंकि उन्हें डर था कि उनके आरोपों से चंद्रशेखर आज़ाद को नुकसान हो जाएगा। लेकिन अब, जब उन पर स्वयं सवाल उठाए जा रहे हैं और सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, तो उन्होंने फिर से मुखर होकर अपनी बात सामने रखी है। गौरतलब है कि चुनाव के दौरान डॉ। रोहिणी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने चंद्रशेखर को "माफ" करने की बात कही थी। पर अब वह कहती हैं कि परिस्थितियां बदल गई हैं, और चुप रहना अब संभव नहीं।

क्या बोले चंद्रशेखर आजाद?

इन गंभीर आरोपों के बीच चंद्रशेखर आजाद ने भी अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा, "यह मामला एक महिला के सम्मान से जुड़ा है। मेरे संस्कार मुझे यही सिखाते हैं कि महिलाओं का हमेशा सम्मान करना चाहिए। मुझे जानकारी मिली है कि वह कोर्ट जा रही हैं, तो मैं भी कोर्ट में ही इसका जवाब दूंगा।"

चौके-छक्के से लेकर विकेट गिरने तक, क्रिकेट में कैसे लगाते थे सट्टा? गैंग के 8 सदस्य अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल लेवल पर क्रिकेट मैच में ऑनलाइन सट्टा लगवाने वाले गैंग का पर्दाफाश हुआ है। कासना पुलिस और स्वाट टीम ने गैंग का पर्दाफाश किया है। इस मामले में टीम की संयुक्त कार्रवाई में ग्रेनो वेस्ट की 2 अलग-अलग सोसाइटी से 8 सटोरी पकड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी ये काम एक ऐप के जरिये करते थे। गैंग को थाईलैंड और दुबई से चलाया जा रहा था।

पुलिस को आरोपियों के पास से 4 लैपटॉप, 26 मोबाइल, 16 सिम, 2 रजिस्टर, 3 पासबुक, 2 चेक बुक 3 बैंक पासबुक, 1 पासपोर्ट, 2 रजिस्टर और अन्य समान मिला है। जानकारी के अनुसार पुलिस और स्वाट टीम ने इस इंटरनेशनल गैंग का पर्दाफाश राजस्थान के अलवर के दो युवकों की किडनैपिंग की झूठी कहानी की जांच

के दौरान किया।

व्हाइट आर्किड और राधा स्काई गार्डन सोसाइटी से गिरफ्तारी

संयुक्त टीम ने ग्रेनो वेस्ट की व्हाइट आर्किड और राधा स्काई गार्डन सोसाइटी से सभी आठ लोगों की गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान भीम (22), नारायण (26), ध्रुव (24), मुकीम (19), विशाल कुमार (27), सन्नी जेतवा (27), हिमाशु दकान (20) और सुखदेव सिंह (31) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि राजस्थान के अलवर के सुभाष चंद्र ने 12 जून को डायल 112 पर अपने बेटे भीम सिंह (22) और भतीजे (25) नारायण की किडनैपिंग की और सात लाख फिरौती मांगे जाने की सूचना दी थी।

अपहरण की साजिश का पर्दाफाश

सुभाष चंद्र की सूचना पर कासना कोतवाली पुलिस और स्वॉट टीम ने उनके बेटे और भतीजे को खोजना शुरू किया। फिर दोनों की लोकेशन ग्रेनो वेस्ट की एक सोसाइटी में मिली। पुलिस वहां पहुंची तो पता चला कि दोनों आरोपी अपने साथियों के साथ क्रिकेट मैच में सट्टा लगवाने का गैंग चला रहे थे। इसके बाद सभी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में भीम सिंह ने खुद अपने अपहरण की साजिश रचने की बात बताई।

इसलिए रची गई अपहरण की साजिश

आरोपी भीम सिंह ने बताया कि वो यहां अकाउंट का काम देखता है। अकाउंट में करीब 7 लाख रुपये की गड़बड़ी हुई तो थाईलैंड में बैठा उसका बॉस लगातार पैसों के लिए दबाव बनाने लगा। इसके लिए उसने पिता से पैसे दिलवाने के लिए अपहरण की साजिश रची। उसने बताया कि सभी आठ लोग क्रिकेट बैटिंग का काम करते हैं। लैपटॉप और मोबाइल के जरिये उनका सारा काम होता है। उन्हें फर्जी नाम पते पर सिम कार्ड और फर्जी अकाउंट संबंधित दस्तावेज उनका बॉस उपलब्ध कराता है।

ऐसे लगाया जाता था सट्टा

पुलिस ने बताया कि गैंग जिस ऐप से सट्टा लगवाता था, वह भारत में बैन किया गया है। मैच के दौरान चौके-छक्के, स्कोर, विकेट गिरने, हार-जीत पर सट्टा लगाया जाता था। ऐप में आरोपियों के व्हॉट्सऐप नंबर चालू होते थे। जिनको सट्टा लगाना होता था, वो आरपियों के नंबरों पर व्हॉट्सऐप कॉल करते थे। इसके बाद आरोपी उनको आईडी देते थे। अब तक 5 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी की बात पता चली है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर हज यात्रियों से भरे जहाज के पहिए से निकली चिंगारी और धुआं, टला बड़ा हादसा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। जेद्दा से हज यात्रियों को लेकर लौटे विमान के लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद उसके पहिए से चिंगारी और तेज धुआं निकलने लग गया। विमान के पहिए में आग लगने की यह घटना लैंडिंग के बाद टैक्सी वे पर जाने के दौरान हुई। जिस समय पहिए में आग और धुआं निकल रहा था तब विमान में करीब 250 यात्री सवार थे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर कल रविवार की सुबह सऊदी अरबिया एयरलाइंस के विमान में तकनीकी खराबी आ गई, लेकिन गनीमत रही कि इस वजह से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। हज यात्रियों से भरे विमान के लखनऊ एयरपोर्ट पर सुबह 6:30 बजे लैंडिंग के दौरान रनवे पर उतरते ही बाएं पहिए से चिंगारी और धुआं निकलने लग गया। इस वजह से वहां पर स्थिति थोड़ी असहज हो गई।

वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि विमान के नीचे से धुआं तेजी से निकल रहा है। लेकिन पायलट ने विमान के निचले हिस्से से चिंगारी और धुआं निकलने की जानकारी तत्काल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (ATC) को दी। फिर वहां पर फायर टीम मौके पर पहुंची। फायर टीम ने थोड़ी देर की मशक्कत के बाद चिंगारी और धुएं को खत्म कर दिया। इससे बड़ी घटना टल गई।

जेद्दा से लखनऊ के लिए हुआ था रवाना

रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरबिया एयरलाइंस की फ्लाइट SV 3112 ने शनिवार देर रात करीब 10:45 बजे जेद्दा एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए उड़ान भरी थी। इस विमान में 250 हज यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। यह फ्लाइट रविवार सुबह भारतीय समयानुसार करीब 6:30 बजे अमौसी एयरपोर्ट पहुंची।

चिंगारी और धुआं निकलने की वजह क्या

घटना की शुरुआती जांच में चिंगारी और धुआं निकलने की वजह हाइड्रोलिक सिस्टम लीक होना बताया गया है। फिलहाल सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित हैं और इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

यूपी पुलिस में भर्ती हुए पिता-पुत्र, एक साथ दी थी परीक्षा, ढाई साल से कर रहे थे तैयारी, ये कैसे हुआ कमाल?

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में एक पिता और बेटा एक साथ पुलिस में भर्ती हो गए। दोनों ने एक साथ परीक्षा दी थी और दोनों का ही उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती में एक साथ सिलेक्शन हो गया। ऐसे में उनके परिवार वालों में खुशी की लहर दौड़ गई। बेटे ने कहा कि वह अपने पिता के साथ ही लाइब्रेरी जाकर पढ़ाई करते थे। दोनों ने खूब मेहनत की, जो रंग लाई और दोनों का एक साथ सिलेक्शन हो गया।

उदयरामपुर नंगला के रहने वाले यशपाल नागर और उनके बेटे शेखर रविवार को एक साथ अपना नियुक्ति पत्र लेने के लिए लखनऊ के डिफेंस एक्सपो वेन्यू पहुंचे, जहां गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपे। अपॉइंटमेंट लेटर मिलने के बाद दोनों पिता-बेटे के चेहरे पर खुशी साफ झलकती रही थी। दोनों ने एक-दूसरे को बधाई दी। दोनों के बारे में तब पता चला जब वह अपना अपॉइंटमेंट लेटर लेने जाने से पहले नवीन मंडी में पहुंचे। यहां एसपी की ब्रीफिंग में दोनों के बारे में पता चला।

पहले 16 साल तक देश की सेवा

यशपाल नागर दिल्ली में आर्मी ऑर्डनेंस कोर में नौकरी कर रहे थे। इससे पहले साल 2019 में वह 16 साल तक देश की सेवा करने के बाद आर्मी ऑर्डनेंस कोर से रिटायर हो गए थे। भारतीय सेना में वह साल 2003 में भर्ती हुए थे। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में आर्मी ऑर्डनेंस कोर में नौकरी शुरू की थी। लेकिन जब 2024 सिपाही भर्ती में उनका नंबर आया तो उन्होंने दिल्ली में आर्मी ऑर्डनेंस कोर की नौकरी से रिजाइन दे दिया।

अब दोनों एक साथ करेंगे ट्रेनिंग

अब पिता और बेटे एक समय पर एक साथ ट्रेनिंग लेंगे, जिसको लेकर दोनों काफी एक्साइटेड और खुश हैं। पिता शाहजहांपुर तो बेटा बरेली में ट्रेनिंग लेगा। इसी महीने दोनों ट्रेनिंग के लिए जाएंगे। यशपाल की पत्नी एक हाउसवाइफ हैं। शेखर के अलावा उनकी एक बेटी और बेटा और भी है। दोनों ही पढ़ाई कर रहे हैं। यूपी पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती होने के बाद शेखर ने कहा कि वह आगे भी परीक्षाओं की तैयारी करते रहेंगे। शेखर ने कहा कि पिछले ढाई साल से परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। इसके साथ ही शेखर सीडीएस और यूपी दरोगा की परीक्षा की तैयारी भी कर रहे हैं।

महोबा में भीषण सड़क हादसा : कार और बाइक की जोरदार टक्कर ; पांच लोगों की मौत, तीन घायल

आर्यावर्त संवाददाता

महोबा। महोबा जिले के श्रीनगर-बेलाताल मार्ग पर ननौरा गांव के पास सोमवार की दोपहर करीब एक बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। कार और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कार सवार कोतवाली चरखारी के बगरोन गांव से बहू की विदा कराने ननवारा गांव जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बाइक में फंस गई जो 20 मीटर तक घिसटी। पुलिस घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाते हुए मृतकों की शिनाख्त कराने में जुटी है। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं।

निलंबित प्रभारी प्रधानाध्यापक धीरज सिंह की बढ़ती मुश्किलें

मीरजापुर। जिले के कंपोजिट विद्यालय कंदवा के निलंबित प्रभारी प्रधानाध्यापक धीरज सिंह की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। तमाम हथकंडे अपनाए जाने के बाद भी जहां उन्हें निलंबित कर ही दिया गया है अब उनपर एफआईआर दर्ज कर जेल भेजें जाने की मांग हो रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री से जांच कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। बताते चलें कि जिले के नरायनपुर ब्लाक के अधिवक्ता ऋषभ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जनता दरबार में मुलाकात कर कम्पोजिट विद्यालय कंदवा के प्रभारी प्रधानाध्यापक धीरज सिंह के खिलाफ जांच कराके एफआईआर दर्ज कराए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि तीन सदस्यीय जांच टीम ने सरकारी धन पत्नी के खाते में भेजने के लिए धीरज सिंह को दोषी ठहराया है। बावजूद इसके बेसिक शिक्षा अधिकारी धीरज सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करा रहे है।

हरदोई की 'रिवॉल्वर रानी' : सीएनजी भरवाते समय कार से उतरने को कहा तो भड़की युवती ; पंप कर्मचारी पर तान दी पिस्टल

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। हरदोई में शाहाबाद नगर के मोहल्ला गिगीयानी निवासी एहसान खान अपने परिवार के साथ कर से जा रहे थे। रविवार रात बिलग्राम नगर में स्थित एक पंप पर वह कार में सीएनजी डलवाने के लिए रुके थे। इसी दौरान पंप के कर्मचारी रजनीश ने सभी सवारियों को कार से उतरने के लिए कहा। इसको लेकर एहसान खान और रजनीश के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान एहसान की बेटी अरीबा खान ने कार में रखी पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाल ली और रजनीश के सीने पर अड़ा दी। आसपास मौजूद लोगों ने मामला शांत कराया। जानकारी पर पहुंची पुलिस में रजनीश से तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्ज की है। लाइसेंसी रिवॉल्वर और 25 कारतूस पुलिस ने कब्जे में ले लिए हैं। सीओ बिलग्राम रवि प्रकाश सिंह ने बताया की कार्रवाई की जा रही है।

अक्सर महसूस होता है जैसे शरीर में ताकत ही नहीं? एनर्जी ड्रिंक्स नहीं, इन चीजों से मिलेगा लाभ

शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिसका प्रमुख स्रोत है भोजन। यदि आपका भोजन पौष्टिक, विटामिन्स-मिनरल्स से भरपूर नहीं है तो आपको अक्सर थकान-कमजोरी महसूस होते रह सकती है। इसके अलावा कुछ स्थितियों में कई अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याएं जैसे एनिमिया, डायबिटीज के कारण भी लो एनर्जी की दिक्कत बनी रह सकती है। इन सबसे बचाव के लिए जरूरी है कि आप आहार की गुणवत्ता और पौष्टिकता में सुधार करें।

थकान-कमजोरी को दूर करने के लिए कुछ लोग एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन करते हैं, पर डॉक्टर्स का कहना है कि इस प्रकार के पेय असल में सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकते हैं। एनर्जी ड्रिक्स की बजाय उन चीजों का सेवन किया जाना चाहिए, जो न सिर्फ आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान करें साथ ही शरीर को कोई नुकसान भी न होने पाए।

पहले जानिए, एनर्जी ड्रिंक्स क्यों नुकसानदायक हैं?

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग के शोधकर्ताओं ने अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर बताया कि एनर्जी ड्रिंक्स में कैफीन और अन्य उत्तेजक पदार्थों का मिश्रण होता है, ये आपको कुछ समय के लिए तुरंत एनर्जी तो देते हैं पर ये पेय समग्र स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं। इनमें कैफीन और ऐडेड शुगर की अधिक मात्रा होती है। कुछ में ग्वाराना, टॉरिन और एल-कार्निटाइन जैसे तत्व भी होते हैं, जो आपकी हृदय गति और तनाव के स्तर में वृद्धि कर सकते हैं। अधिक मात्रा में कैफीन का सेवन करने से चिंता, बेचैनी और सोने में परेशानी हो सकती है।

संयमित मात्रा में करें कॉफी का सेवन

कॉफी का सेवन करना सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है। भले ही इसमें भी कैफीन की मात्रा होती है पर अगर संयमित मात्रा में कॉफी पीते हैं तो इससे कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ का भी जिक्र मिलता है। यह न सिर्फ आपकी ऊर्जा को बढ़ाता है साथ ही ब्लड प्रेशर को कम रखने में भी इसके लाभ हैं। अध्ययनों में कॉफी के सेवन को डिमेंशिया और डायबिटीज की दिक्कतों को भी कम करने वाला पाया गया है पर इसकी अधिकता नुकसानदायक हो सकती है।

डार्क चॉकलेट के कई फायदे

डार्क चॉकलेट, एनर्जी बूस्ट करने का अच्छा विकल्प हो सकता है। मूड और मस्तिष्क के कामकाज में सुधार करने के साथ इसमें मौजूद कोकोआ एंटीऑक्सीडेंट, कोशिकाओं की रक्षा करने, रक्तचाप कम करने और मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में सुधार करने में मदद कर सकती है। स्ट्रेस-एंग्जाइटी वाले लोगों में भी डार्क चॉकलेट के सेवन से लक्षणों को कम होने में विशेष लाभ देखा गया है।

अंडे और चिकन को बनाएं आहार का हिस्सा

अक्सर थकान-कमजोरी महसूस करते रहते हैं तो इससे छुटकारा पाने का बेहतर तरीका है कि आप आहार में अंडे और चिकन को शामिल करें। अकेले अंडे में 70 कैलोरी और 6 ग्राम तक प्रोटीन होता है। यह शरीर को ऊर्जावान रखने का बेहतर तरीका हो सकता है। इसी तरह चिकन को लीन प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है। चिकन में अन्य मांसों की तुलना में सेचुरेटेड फैट की मात्रा कम होती है, जो इसे सेहत के लिए लाभकारी बनाती है।

सुबह की यह एक गलती पूरे सेहत के लिए बहुत हानिकारक, हृदय रोगों– डायबिटीज का बढ़ सकता है जोखिम

हमारे शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए नियमित रूप से पौष्टिक आहार की आवश्यकता होती है। आहार की पौष्टिकता के साथ समय पर भोजन करना भी आवश्यक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ज्यादातर लोगों में आहार से संबंधित एक समस्या देखी जा रही है वह है- सुबह नाश्ता न करना। यह एक गलत आदत आपमें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। सुबह नाश्ता न करने वाले लोगों में हृदय रोगों से लेकर, टाइप-2 डायबिटीज जैसी गंभीर समस्याओं के विकसित होने की आशंका जताई गई है।

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, हमारे दिन के पूरे भोजन में सुबह का नाश्ता सबसे महत्वपूर्ण होता है। रात के 6-8 घंटे पेट खाली होने के बाद शरीर को ऊर्जा के लिए पौष्टिक आहार की जरूरत होती है। यह मेटाबॉलिक प्रक्रियाओं के लिए भी आवश्यक है। नाश्ता न कर पाने की आदत आपके लिए कई प्रकार की समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है।

सुबह का नाश्ता क्यों जरूरी है?

कई अध्ययनों से पता चलता है कि सुबह भरपेट पौष्टिक नाश्ता करने वाले लोगों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऐसे लोगों में अधिक वजन/मोटापे की आशंका कम होने के साथ कई क्रोनिक बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

रिपोर्ट में प्रमुख आहार विशेषज्ञ मैरी साबत कहती हैं, यदि आप नाश्ता छोड़ देते हैं, तो यह आदत दूसरे मील में अधिक खाने की संभावना बढ़ाने वाली हो सकती है, जिससे शरीर में अतिरिक्त कैलोरी की आवश्यकता हो सकती है। इस आदत के कारण इंसुलिन स्पाइक्स भी हो सकता है जिससे डायबिटीज और शरीर में फैट बढ़ने का जोखिम रहता है।

हृदय रोगों की समस्याएं

जामा जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग सुबह का नाश्ता नहीं करते हैं, उनमें अन्य लोगों की तुलना में दिल का दौरा पड़ने की आशंका लगभग 27% अधिक होती है। शोध का नेतृत्व करने वाली डॉ. लिआ काहिल बताती हैं कि जोखिम की दर इतनी चिंताजनक नहीं है, लेकिन वह इस तथ्य का भी समर्थन करती हैं कि स्वस्थ नाश्ता करने से वास्तव में दिल के दौरे का खतरा कम हो सकता है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने एक अध्ययन किया जिसका उद्देश्य खाने की आदतों और स्वास्थ्य के बीच संबंध को समझना था। करीब छह साल तक चले इस शोध में 46,289 महिलाओं ने हिस्सा लिया। अध्ययन के परिणाम आश्चर्यजनक थे। परिणाम के अनुसार, जिन महिलाओं को नाश्ता नहीं करने की आदत थी, उनमें टाइप-2 मधुमेह होने का खतरा उन महिलाओं की तुलना में अधिक था, जो रोजाना नाश्ता करती थीं। इंसुलिन स्पाइक और अधिक वजन को इसका कारण माना गया।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञों का कहना है, सुबह के नाश्ते को 'दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन' कहा जाता है। यह आपके ऊर्जा स्तर और सतर्कता को बढ़ावा देने के साथ आपके ग्लूकोज की आपूर्ति की भरपाई करता है, साथ ही बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पोषक तत्व भी प्रदान करता है। सुबह का नाश्ता पौष्टिक और स्वस्थ होना चाहिए, इसमें फलों-सलाद, दूध जैसी चीजों को शामिल करें जिससे शरीर के लिए आवश्यक तत्वों की पूर्ति की जा सके।

थ्रेडिंग या वैक्सिंग, कैसे दें आईब्रो को सही शेप? जानें कौन सा तरीका रहता है बेहतर

आज-कल की लड़कियां बेहद कम उम्र में ही अपने लुक्स को लेकर काफी सोचने लगती हैं। उन्हें लगता है कि वो हमेशा परफेक्ट दिखनी चाहिए। यही वजह है कि कम उम्र में ही लड़कियां वैक्सिंग और थ्रेडिंग कराने लगती हैं। इस वजह से उनकी मम्मियों को काफी टेंशन होने लगती है कि आखिर कम उम्र में उनके लिए क्या सही रहेगा। आज के लेख में हम आपको वैक्सिंग और थ्रेडिंग में क्या बेहतर है, इस बारे में बताने जा रहे हैं। स्किन पर वैक्सिंग और थ्रेडिंग दोनों का ही अलग असर होता है।

ऐसे में आपके लिए सबसे पहले ये जानना बेहद जरूरी है कि थ्रेडिंग और वैक्सिंग में आखिर फर्क है क्या ? अगर आपको इस फर्क के बारे में ही नहीं पता होगा तो इसका असर आपकी बेटी की स्किन पर होगा। ना सिर्फ आपकी बेटी बल्कि इस बारे में आपको खुद के लिए भी पता होना चाहिए कि अगर आप आईब्रो सेट करा रही हैं तो थ्रेडिंग बेहतर है या फिर वैक्सिंग। आइए देर ना करते हुए आपको दोनों तरीकों के बारे में डिटेल में बताते हैं।

कैसे होती है वैक्सिंग

अगर आईब्रो वैक्सिंग की बात करें तो इसके लिए सबसे पहले एक फ्लैट चाकू (जिसमें धार नहीं होती) की सहायता से वैक्स लेकर आईब्रो के आप पास लगाई जाती है। वैक्स लगाते वक्त आईब्रो की शेप का खास ध्यान रखा जाता है। वैक्स लगाने के बाद वैक्सिंग स्ट्रेप को लगाकर खींचा जाता है और बाल आसानी से हट जाते हैं।

इसके फायदे और नुकसान

अगर इसके फायदे की बात करें तो इस प्रक्रिया से आईब्रो को आसानी से शेप दे दी जाती है। अगर आपकी आईब्रो मोटी है तो ये एक बेहतर ऑप्शन है। वहीं अगर बात करें इसके नुकसान की तो अगर आपकी त्वचा सेंसिटिव है तो स्किन पर गर्म वैक्स की वजह से दाने और खुजली की समस्या सामने आ सकती है। कई बार तो त्वचा जल भी जाती है।

कैसे होती है थ्रेडिंग

अगर आपकी आईब्रो पतली है तो ये इसे शेप देने का अच्छा ऑप्शन है। इसमें धागे की सहायता से आईब्रो को शेप देते हुए आस-पास से बालों को हटाया जाता है। थ्रेडिंग के बाद स्किन पर क्रीम लगाना भी बेहद जरूरी होता है।

इसके फायदे और नुकसान

अगर बात करें इसके फायदे की तो हर बार नए धागे का इस्तेमाल किया जाता है, ऐसे में स्किन से जुड़ी एलर्जी होने की संभावना ना के बराबर हो जाती है। कई बार स्किन लाल हो जाती है, लेकिन ये हाल ही में नॉर्मल भी हो जाती है वहीं अगर इसके नुकसान की बात करें तो अगर ये सही तरीके से नहीं की गई तो स्किन पर धागे से कट लग सकता है।

कौन सी प्रक्रिया है बेहतर ?

अगर आप इस संशय में हैं कि कौन सी प्रक्रिया आपके लिए बेहतर है तो अपने स्किन टाइप और उसकी जरूरत को देखते हुए इसका चयन कर सकती हैं। अगर हमारी सलाह की बात करें तो अत्यधिक मोटी आइब्रो से छुटकारा पाने के लिए वैक्सिंग ही कराएं, वहीं अगर आईब्रो की ग्रोथ कम है तो थ्रेडिंग बेहतर विकल्प है।

वैज्ञानिकों ने किया अलर्ट : फ्रेंच फ्राइज– समोसे के शौकीन हैं? ये कहीं आपको डिप्रेशन का शिकार न बना दे

फ्रेंच फ्राइज, समोसे-पकौड़े खाने के शौकीन हैं? तो आपके लिए बुरी खबर है। आपकी यह एक आदत सिर्फ मोटापे को बढ़ाने के लिए ही नुकसानदायक नहीं है, इससे मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को भी बढ़ते हुए देखा गया है। शोधकर्ता तो यहां तक कहते हैं कि जो लोग अक्सर डीप फ्राइड चीजें खाते हैं, खासकर आलू को फ्राई करके बनी फ्रेंच फ्राइज या पकौड़े जैसी चीजें, उनमें अन्य लोगों की तुलना में स्ट्रेस-डिप्रेशन होने का खतरा अधिक हो सकता है।

तली हुई चीजों को अब तक के अध्ययनो में मोटापा-कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाला माना जाता रहा है, हालांकि इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया कि इस तरह के आहार मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहे हैं। समय के साथ ऐसे लोगों में स्टेस-एंग्जाइटी होने और गंभीर स्थितियों में डिप्रेशन का जोखिम बढ़ जाता है।

तली हुई चीजें हानिकारक

तली हुई चीजें शरीर के लिए किस प्रकार से नुकसानदायक हो सकती हैं, इसको समझने के लिए शोधकर्ताओं ने अध्ययन किया जिसके परिणाम पीएनएएस जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। इस शोध में एक दशक से अधिक समय तक करीब डेढ़ लाख लोगों के डेटा का मूल्यांकन किया। अध्ययन के निष्कर्ष से पता चलता है कि जिन लोगों ने अधिक तली हुई चीजें खाईं, लगातार तले हुए भोजन का सेवन करते रहे, उनमें चिंता विकार होना का जोखिम 12 फीसदी और अवसाद विकसित होने का जोखिम 7 प्रतिशत अधिक पाया गया।

नुकसानदायक हैं तली हुई चीजें?

लेखकों ने पाया कि तले हुए खाद्य पदार्थों में एक्रिलामाइड नामक एक रसायन होता है जो मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता हुआ देखा गया है। जब खाद्य पदार्थों को बहुत अधिक तापमान पर पकाया जाता है, तो यह कैमिकल रिलीज होता है। अध्ययन के चरणों में पाया गया कि एक्रिलामाइड, समय के साथ मस्तिष्क की सूजन को बढ़ावा देता है, जिसके कारण व्यवहार में परिवर्तन और इससे संबंधित दिक्कतें होने लगती हैं। अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि आलू और अन्य खाद्य पदार्थ जब ज्यादा खस्ता और भूरे होने लगते हैं तो भी एक्रिलामाइड निर्मित होता है। भुनी हुई कॉफी बीन्स में भी यह पाया गया है। इसका मतलब है कि एक्रिलामाइड आलू के चिप्स के क्रंच में, फ्रेंच फ्राइज में और टोस्टेड स्नैक्स में भी हो सकता है। ऐसे चीजों का सेवन कम से कम किया जाना चाहिए।

क्या कहते हैं अध्ययनकर्ता?

वास्तव में एक्रिलामाइड न्यूरोटॉक्सिन के रूप में कार्य करता है और मस्तिष्क के किसी भी क्षेत्र में ऑक्सीडेटिव और इंफ्लामेटरी डैमेज का कारण बन सकता है। कुछ शोध में यह भी बताया गया है कि एक्रिलामाइड सेंट्रल और पेरिफेरल नर्वल सिस्टम में न्यूरोडीजेनेरेशन और न्यूरोट्रांसमिशन से संबंधित समस्याओं को भी बढ़ा सकता है। अध्ययन के लेखक और प्रिवेंटिव एंड लाइफस्टाइल मेडिसिन विशेषज्ञ डेविड काट्ज कहते हैं, इस अध्ययन से पता चलता है कि तले हुए भोजन के अधिक सेवन से चिंता/ अवसाद का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि जिन लोगों को पहले से ही मानसिक स्वास्थ्य विकार हैं इसका उनपर कैसा असर होता है, यह जानने के शोध किया जाना है। सभी लोगों को ऐसी चीजों के सेवन को कम करने पर ध्यान देना चाहिए।

कामकाजी महिलाओं ने जीवन बीमा खरीदने में पुरुषों को पछाड़ा, वित्तीय सुरक्षा को लेकर पुरुष अब भी आगे

जीवन बीमा खरीदने में कामकाजी महिलाएं भले ही पुरुषों से आगे हों लेकिन वित्तीय सुरक्षा को लेकर अभी पुरुषों की स्थिति महिलाओं से अच्छी है। शहरी इलाकों में पुरुष 46 अंकों के साथ वित्तीय सुरक्षा में अग्रणी हैं और यह शहरी भारत के 45 अंकों के समग्र औसत से अधिक है। शहरी भारत की महिलाएं अपने परिवार को किसी भी परेशानी से बचाने के लिए ज्यादा प्रतिबद्ध दिखाई देती हैं।

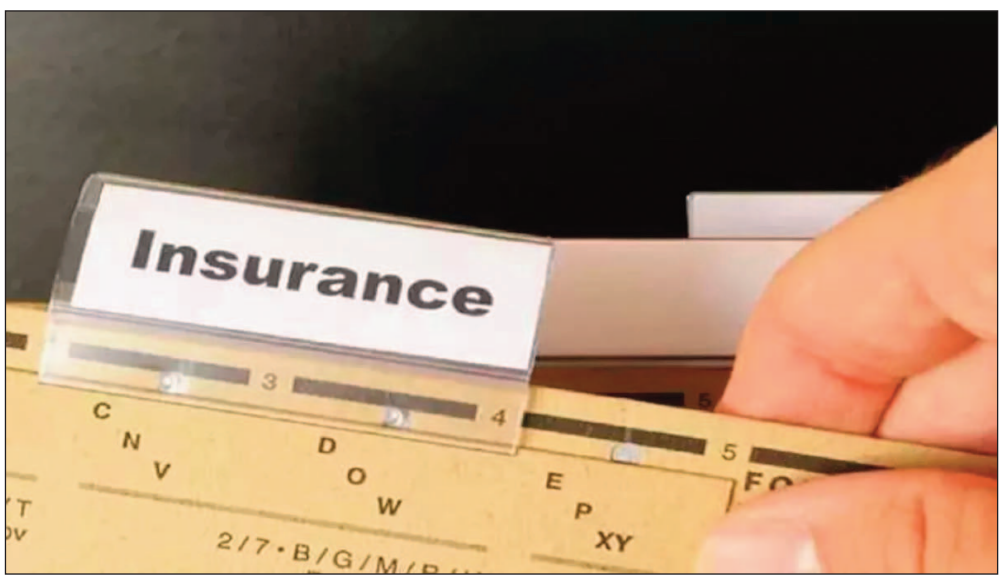

पहली बार जीवन बीमा खरीदने में कामकाजी महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है। 79 प्रतिशत कामकाजी महिलाओं के पास जहां जीवन बीमा पॉलिसी है वहीं 76 प्रतिशत कामकाजी पुरुषों के पास इस तरह की पॉलिसी हैं। मैक्स लाइफ द्वारा दिए गए एक सर्वे में कहा गया है कि यह बदलाव महिलाओं में वित्तीय तैयारियों और जिम्मेदारियों को दर्शाता है।

जीवन बीमा खरीदने में कामकाजी महिलाएं भले ही पुरुषों से आगे हों, लेकिन वित्तीय सुरक्षा को लेकर अभी पुरुषों की स्थिति महिलाओं से अच्छी है। शहरी इलाकों में पुरुष 46 अंकों के साथ वित्तीय सुरक्षा में अग्रणी हैं और यह शहरी भारत के 45 अंकों के समग्र औसत से अधिक है। सर्वे में इस बात का भी पता लगा कि शहरी भारत में पुरुषों और महिलाओं के बीच वित्तीय सुरक्षा का अंतर मुख्य रूप से जीवन बीमा जागरूकता के स्तर में भारी असमानता की वजह से है।

सर्वे में शहरी भारत की महिलाएं अपने परिवार को किसी भी परेशानी से बचाने के लिए ज्यादा प्रतिबद्ध दिखाई देती हैं और यही वजह है कि जीवन बीमा पॉलिसी खरीदने में वे पुरुषों की तुलना में बहुत ज्यादा पीछे नहीं दिखाई देती हैं। वहीं पॉलिसी बाजार के एक सर्वे के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में 25 लाख रुपये से अधिक कवरेज वाली हेल्थ पॉलिसी को खरीदने वाली महिलाओं की संख्या बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई है। जो वित्त वर्ष 2022-23 में 15 प्रतिशत थी। वहीं 25 लाख रुपये से कम कवरेज वाली हेल्थ पॉलिसी लेनी वाली महिलाओं की संख्या सात प्रतिशत घटी है।

महिलाओं ने शुरू किए 8,000 स्टार्टअप, जुटाई 23 अरब डालर की फंडिंग

देश में 8,000 से अधिक स्टार्टटप ऐसे हैं, जिनकी संस्थापक महिलाएं हैं और ये अब तक 23 अरब डालर की फंडिंग जुटा चुके हैं। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफार्म ट्रैक्सन की रिपोर्ट के मुताबिक, तकनीक से जुड़े स्टार्टअप को शुरू करने वाली महिला उद्यमियों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से अधिक है जबकि वित्त पोषित कंपनियों के स्टार्टअप में महिला उद्यमियों की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत से अधिक है। महिलाओं द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप की संख्या के मामले में दिल्ली-एनसीआर अग्रणी है जबकि उसके बेंगलुरु और मुंबई का नंबर आता है। महिलाओं द्वारा शुरू किए गए 2,000 से अधिक स्टार्टअप को अब तक फंडिंग मिली है और लगभग 6,000 ऐसे स्टार्टअप हैं, जिन्हें अभी फंडिंग नहीं मिली है। इनमें से 590 स्टार्टअप का राजस्व 30,000 डालर से अधिक है। देश में महिलाओं द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप द्वारा जुटाई गई फंडिंग की हिस्सेदारी पिछले एक दशक में बढ़ी है।

महिला स्वामित्व ववाले एमएसएमई ने ज्यादा महिलाओं को काम पर रखा

महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई ने पुरुष स्वामित्व वाले एमएसएमई की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक महिला कर्मचारियों को काम पर रखा। किनारा कैपिटल द्वारा किए गए विश्लेषण से यह पता चलता है कि महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई द्वारा पैदा की गईं नौकरियों में से एक तिहाई महिला कर्मचारियों के लिए थीं। किनारा कैपिटल की संस्थापक और सीईओ हार्दिका शाह ने कहा, "महिला उद्यमियों ने अपने व्यावसायिक ऋणों की ना केवल बेहतर तरीके से अदायगी की बल्कि अपनी आय में भी बढ़ोतरी की।" महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई ने अपनी कंपनी के मासिक राजस्व में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसएमई ने जहां मासिक शुद्ध आय में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है वहीं पुरुषों के स्वामित्व वाले एमएसएमई ने 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है।

कर्ज अदायगी की बात करें तो जहां केवल 3.4 प्रतिशत महिला उद्यमियों ने ऋण चुकाने में चूक की, वहीं पुरुषों के बीच यह दर 4.6 प्रतिशत से अधिक थी। अध्ययन में छह राज्यों आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के 44,821 एमएसएमई के डाटा का विश्लेषण किया गया।

अमिताभ कांत ने जी-20 शेरपा के पद से इस्तीफा दिया ; 45 साल के सरकारी सेवाकाल को दिया विराम

नई दिल्ली, एजेंसी। अमिताभ कांत ने जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है। केरल कैडर के 1980 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अमिताभ कांत को भारत के जी20 शेरपा के रूप में जुलाई 2022 में नियुक्त किया गया था। नियुक्ति भारत की ओर से जी20 की अध्यक्षता संभालने से कुछ महीने पहले की गई थी। उन्होंने अपनी सरकारी सेवा में 45 वर्षों के दौरान विविध कार्यभार संभाले।

अमिताभ कांत लिंक्डइन पर 'माय न्यू जर्नी' शीर्षक से एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, '45 साल की समर्पित सरकारी सेवा के बाद मैंने नए अवसरों को अपनाने और जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मैं जी20 शेरपा के रूप में मेरा इस्तीफा स्वीकार करने और मुझे कई विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री का आभारी हूं। मैं भारत की वृद्धि, विकास और प्रगति में योगदान करने का अवसर देने के लिए भी भारत के प्रधानमंत्री का आभारी व्यक्त करता हूं।'

भारत के एनएसई और साइप्रस स्टॉक एक्सचेंज के बीच समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साइप्रस के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए एक अहम कदम उठाया गया है। जिसके तहत भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और साइप्रस स्टॉक एक्सचेंज के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। जिसके तहत दोनों देशों की कंपनियां एक दूसरे के स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हो सकेंगी। इससे दोनों देशों के बीच वित्तीय रिसर्च और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने बताया कि इस समझौते से यूरोपीय कंपनियों के भारत के साथ जुड़ाव में इजाफा होगा और निवेश भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के रिश्तों में नए अध्याय की शुरुआत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 जून को साइप्रस दौरे पर रहे। उस दौरान उन्होंने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ बैठक की। इस बैठक में बैंकिंग, वित्तीय संस्थानों, विनिर्माण, रक्षा, रसद, समुद्री, शिपिंग, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर बात हुई।

कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

साइप्रस की की निवेश फंड मैनेजर कंपनी BAO लिमिटेड ने बताया कि उन्होंने अपने फ्लैगशिप फंड में से 10 करोड़ डॉलर भारत में निवेश के लिए रखे हैं। इस पैसे को पब्लिक इक्विटीज, उभरती हुई तकनीक और मेक इन इंडिया पहल में निवेश किया जाएगा। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज तेजी से आर्थिक विकास कर रहा है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत के नागरिक उड्डयन, बंदरगाह, जहाज निर्माण, डिजिटल भुगतान और हरित विकास क्षेत्रों में विकास ने साइप्रस की कंपनियों के लिए भारत के साथ साझेदारी करने के असंख्य अवसर खोले हैं।

यूपीआई सेवा शुरू करने पर बनी सहमति

एनआईपीएल और यूरोबैंक साइप्रस के बीच दोनों देशों में भुगतान के लिए यूपीआई शुरू करने पर भी सहमति बनी है। इससे पर्यटकों और व्यवसायों को आसानी होगी। भारत-ग्रीस-साइप्रस के बीच व्यापार और निवेश परिषद की शुरुआत का भी पीएम मोदी ने स्वागत किया। इसके जरिए शिपिंग, रसद, नवीकरणीय ऊर्जा, नागरिक उड्डयन और डिजिटल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में त्रिपक्षीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

'ट्रंप को मारना चाहता था ईरान, मानता है दुश्मन नंबर वन', इस्त्रइली पीएम का चौंकाने वाला दावा

तेल अवीव, एजेंसी। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान की सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारना चाहती थी। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान की सरकार डोनाल्ड ट्रंप को अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए खतरा मानती है और सक्रिय रूप से ट्रंप को खत्म करना चाहती थी।

नेतन्याहू ने बताया ट्रंप को दुश्मन क्यों मानता है ईरान

एक अमेरिकी न्यूज चैनल के साथ बातचीत में नेतन्याहू ने कहा कि वे (ईरान सरकार) उन्हें (ट्रंप) मारना चाहते हैं। वे उनके नंबर वन दुश्मन हैं। ट्रंप एक निर्णायक नेता हैं, जिन्होंने दूसरों की तरह ईरान के साथ मोलभाव का रास्ता नहीं चुना। यह असल में कमजोरी की बात है, जिसने ईरान को यूरेनियम संवर्धन के रास्ते पर डाला। इसका मतलब है कि यह परमाणु बम बनाने और ईरान को अरबों डॉलर देने का रास्ता है।' नेतन्याहू ने कहा कि 'ट्रंप ने ईरान के साथ फर्जी समझौते को खत्म कर दिया। उन्होंने कासिम सुलेमानी को मारा। ट्रंप इस बात को लेकर साफ हैं कि आप (ईरान) परमाणु हथियार नहीं रख सकते और यूरेनियम संवर्धन नहीं कर सकते। यही वजह है कि ईरान, ट्रंप को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता है।'

'हमारे अस्तित्व पर खतरा, हमारे पास कोई और रास्ता नहीं था'

ईरान पर हमले की वजह बताते हुए इस्त्राइली पीएम ने कहा कि हमारा देश परमाणु तबाही के खतरे का सामना कर रहा है और हमारे पास हमला करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था। नेतन्याहू ने कहा कि 'हमारे अस्तित्व पर खतरा है। ईरान यूरेनियम संवर्धन कर तेजी से परमाणु बम बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा था और उसकी मंशा हमारी तबाही है। दूसरा ईरान तेजी से बैलिस्टिक मिसाइल के जखीरे में बढ़ोतरी कर रहा है और अगले एक साल में 3600 और अगले तीन साल में 10 हजार बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की तरफ बढ़ रहा है। हर मिसाइल का वजन करीब एक टन है। इतना ही नहीं अगले 26 साल में ईरान 20 हजार मिसाइल बनाना चाहता है। कोई भी देश इतनी बड़ी संख्या में मिसाइल हमलों को नहीं झेल सकता और खासकर इस्त्राइल जैसा छोटा देश तो बिल्कुल भी नहीं। इसलिए हमें कार्रवाई करनी ही थी।'

अमेरिका की मिलिट्री परेड फ्लॉप साबित हुई, लोग बोले- भारत में एनसीसी कैडेट्स इनसे ज्यादा जोश में चलते हैं

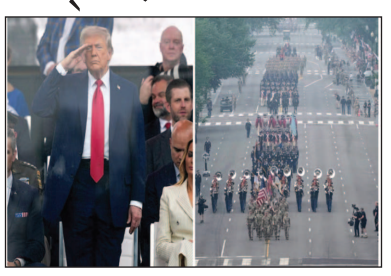

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित हुई मिलिट्री परेड फ्लॉप साबित हुई है। सोशल मीडिया पर लोग इस परेड का मजाक बना रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि अमेरिकी सैनिक परेड के दौरान बिल्कुल भी जोश में नहीं थे और उनके कदमताल भी असमान थे। परेड देखने के लिए लोगों में उत्साह भी नहीं था और बहुत कम संख्या में लोग पहुंचे थे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ली सलामी

राष्ट्रपति ट्रंप ने परेड की सलामी ली। इस दौरान उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप और प्रशासन के शीर्ष नेता और अधिकारी मौजूद थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने भाषण में कहा कि 'आज, हम ये पक्का करते हैं कि आने वाले वर्षों और पीढ़ियों में, जब भी ड्यूटी हमें बुलाएगी और जब भी देश पर खतरा आएगा, अमेरिकी सैनिक वहां जरूर होंगे।' अमेरिका में इससे पहले साल 1991 में आखिरी बार परेड हुई थी और उसके बाद अब हुई है। इस परेड में 6,600 सैनिकों ने हिस्सा लिया। साथ ही टैंक और रोबोट डॉग्स ने भी कॉन्स्टिट्यूशन एवेन्यू पर मार्च किया। हालांकि सोशल मीडिया पर जब परेड की वीडियो सामने आईं तो लोग इसे खुश नहीं दिखे और उन्होंने सैनिकों में उत्साह और जोश की कमी बताई।

यूजर्स ने दिए ऐसे रिएक्शन

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर अमेरिकी मिलिट्री परेड का वीडियो साझा किया और लिखा कि 'यह एक बकवास कार्यक्रम था। सैनिकों के बूटकैंप में इससे ज्यादा अच्छी मार्च होती है।' एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'भारत में एनसीसी कैडेट्स भी सुपरपावर अमेरिका के सैनिकों से बेहतर परेड करते हैं।'

एक अन्य यूजर्स ने अमेरिकी सैनिकों की थकी हुई चाल को देखकर मजाक उड़ाते हुए लिखा कि 'ऐसा लग रहा है कि दूध लेने जा रहे हैं'। एक यूजर ने लिखा कि 'विश्वास नहीं होता कि अमेरिका की मिलिट्री परेड इतनी निराशाजनक होगी। दुनिया की सबसे बड़ी सेना के सैनिक 250वीं वर्षगांठ पर बिना कदमताल मिलाए चल रहे हैं। उनके टैंक भी अलग-थलग दिख रहे हैं और बेहद कम लोगों के सामने सैनिकों का जोश नदारद है। न तो तकनीक दिखाई गई और न ही आधुनिक हथियार। साथ ही परेड के दौरान बजा संगीत भी बेहद खराब रहा।'

'तीन रातों से सो नहीं पाए', ईरान में बढ़ते हमलों के बीच भारतीय छात्रों ने घर वापसी की लगाई गुहार

तेहरान। ईरान में फंसे भारतीय छात्रों ने केंद्र सरकार से सुरक्षित घर वापसी की गुहार लगाई है। देश भर में इस्त्राइली हमलों की वजह से ईरान में फंसे सैकड़ों भारतीय मेडिकल छात्रों में से एक इम्तिसाल मोहिदीन ने कहा कि शुक्रवार सुबह 2:30 बजे मैं तेज धमाकों की आवाज सुनकर उठा और बेसमेंट की ओर भागा। तब से हम सोए नहीं हैं। दरअसल, छात्र छात्रावासों और अपार्टमेंटों से कुछ किलोमीटर की दूरी पर ही विस्फोटों की सूचना मिलने के साथ ही लोगों में डर बढ़ता जा रहा है। भारतीय अपनी सरकार से अपील कर रहे हैं कि बहुत देर होने से पहले उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला जाए।

तेहरान में शहीद बेहेश्टी विश्वविद्यालय में एमबीबीएस के तीसरे वर्ष के 22 वर्षीय छात्र इम्तिसाल ने कहा कि अकेले उनके विश्वविद्यालय में ही 350 से अधिक भारतीय छात्र हैं। हम अपने अपार्टमेंट के बेसमेंट में फंसे हुए हैं। हम हर रात धमाके सुनते हैं। एक विस्फोट सिर्फ 5 किलोमीटर दूर हुआ था। हम तीन दिनों से सोए नहीं हैं। मूल रूप से जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा के रहने वाले मोहिदीन ने बताया कि बमबारी के कारण विश्वविद्यालय ने कक्षाएं स्थगित कर दी हैं। छात्र बाहर निकलने से बच रहे हैं। शाहिद बेहेश्टी विश्वविद्यालय अपने किफायती और प्रतिष्ठित एमबीबीएस कार्यक्रम के लिए भारतीय नागरिकों में काफी चर्चित है। जानकारी के मुताबिक, विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों के संपर्क में बना हुआ है। समाचार एजेंसी एएनआई ने जिन लोगों से बात की, उन्होंने कहा कि वे अब सुरक्षा निर्देशों और अगले कदमों के लिए भारतीय दूतावास की सलाह और समन्वय पर निर्भर हैं।

'स्थिति बिगड़ने से पहले हमें निकाल लिया जाए'

मोहिदीन ने कहा, 'हम भारत सरकार से अनुरोध करते हैं कि स्थिति बिगड़ने से पहले हमें निकाल लिया जाए। दूतावास ने हेल्पलाइन साझा की हैं और संपर्क में है, लेकिन हम डरे हुए हैं और हमें घर जाने की जरूरत है।'

भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

इस बीच तेहरान में भारतीय दूतावास ने एक एडवाइजरी में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से घर के अंदर रहने और आधिकारिक चैनलों की निगरानी करते रहने को कहा है। एडवाइजरी में कहा गया, 'हम ईरान में सभी से अपील करते हैं कि दूतावास से स्थिति पर अपडेट प्राप्त करने के लिए हमारे टेलीग्राम लिंक से जुड़ें। कृपया ध्यान दें कि यह टेलीग्राम लिंक केवल उन भारतीय नागरिकों के लिए है, जो वर्तमान में ईरान में हैं। दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन भी जारी की हैं।

'दहशत तेजी से फैल रही'

केरमान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज में एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के छात्र फैजान नबी ने कहा कि केरमान तेहरान की तुलना में अपेक्षाकृत सुरक्षित है, लेकिन दहशत तेजी से फैल रही है। हमने आज अपने शहर में गोलियों की आवाज सुनी। तेहरान में मेरे दोस्त डरे हुए हैं। हमें 3-4 दिनों के लिए पीने का पानी स्टोर करने की सलाह दी गई है।

'अगर ईरान पर परमाणु हमला हुआ तो इस्त्राइल पर परमाणु बम बरसाएगा पाकिस्तान', शीर्ष अधिकारी का दावा

तेहरान। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के सैन्य बलों के एक शीर्ष अधिकारी ने दावा किया है कि अगर इस्त्राइल ईरान पर परमाणु हमला करता है तो पाकिस्तान उस पर परमाणु बम बरसाएगा। जनरल मोहसेन रेजा की यह टिप्पणी ईरान के सरकारी टेलीविजन पर एक साक्षात्कार के दौरान आई। बीते कुछ दिनों से ईरान और इस्त्राइल एक-दूसरे पर मिसाइल हमले कर रहे हैं।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी और ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्य रेजाई ने कहा, 'पाकिस्तान ने हमें आश्वासन दिया है कि अगर इस्त्राइल ईरान पर परमाणु बम का इस्तेमाल करता है, तो वे इस्त्राइल पर परमाणु बम से हमला करेंगे।' परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान आईसीएएन के मुताबिक,

इस्त्राइल और पाकिस्तान उन नौ देशों में शामिल हैं, जिनके पास वर्तमान में परमाणु हथियार हैं।

'पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने का वादा किया'

रेजाई ने आगे कहा कि पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने का वादा किया है। उन्होंने मुस्लिम देशों को एकजुट होने का आह्वान भी किया। उन्होंने दावा किया कि तेहरान के पास छिपी हुई क्षमताएं हैं, जिन्हें अभी तक उजागर नहीं किया गया है।

पाकिस्तान की ओर से अब तक कोई टिप्पणी नहीं

इस्त्राइल के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर पाकिस्तान की ओर से अब तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है, लेकिन उसने इस्त्राइल के खिलाफ लड़ाई में ईरान का समर्थन किया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पिछले सप्ताह कहा था कि हम हर तरह से ईरान के साथ खड़े हैं। हम ईरानी हितों की रक्षा करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया समझौते का दावा

इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वह पश्चिम एशिया में दो युद्धरत देशों के बीच एक समझौते पर काम करने की कोशिश कर रहे हैं।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्र से पूछे पांच सवाल, मीडिया-न्यायपालिका की चुप्पी पर जताई चिंता

कोलकाता, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के 55 दिनों के बाद तृणमूल कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्र सरकार से पांच सवाल पूछे हैं। साथ ही उन्होंने इस मामले में इस बात पर चिंता जताई कि न तो मुख्यधारा की मीडिया, न विपक्ष और न ही न्यायपालिका ने इस हमले पर कोई सवाल उठाया।

बता दें कि बीते 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देशभर में तहलका मचा दिया था। पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें एक नेपाली नागरिक भी शामिल था। इसे 2019 के पुलवामा हमले के बाद घाटी का सबसे बड़ा आतंकी हमला माना जा रहा है।

बनर्जी ने केंद्र से पूछे सवाल

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने अब जाकर इस मामले में केंद्र सरकार से कुल पांच सवाल पूछे है। बनर्जी ने पहले सवाल के तौर पर पूछा कि आतंकी सीमा में कैसे घुसे?..बनर्जी ने कहा कि इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्था का बावजूद चार आतंकी भारत में कैसे घुसे और उन्होंने कैसे इतने लोगों को मार डाला? इतनी बड़ी सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी कौन लेगा?

दूसरा सवाल पेगासस के इस्तेमाल को लेकर

टीएमसी नेता ने अपने दूसरे सवाल के तौर पर पूछा कि आतंकी हमले के बाद पेगासस का इस्तेमाल आतंकी नेटवर्क पर क्यों नहीं किया गया?.. बनर्जी ने कहा कि जब सरकार विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और जजों के खिलाफ पेगासस जैसे जासूसी उपकरण का इस्तेमाल कर सकती है, तो आतंकियों के खिलाफ क्यों नहीं किया गया। इसके साथ ही बनर्जी ने सवाल किया कि अब तक आतंकियों पर क्या कार्रवाई की गई है? उन्होंने कहा कि जो आतंकी इस हमले में शामिल थे, उनके खिलाफ अब तक क्या कदम उठाए गए?

संघर्षविराम पर ट्रंप के दावे पर भी पूछे सवाल

बनर्जी ने संघर्षविराम को लेकर ट्रंप के दावे से संबंधित सवाल किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने भारत को सीजफायर के लिए राजी किया। क्या सरकार ने इसके जवाब में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी?, इसके अलावा अपने पांचवे सवाल में उन्होंने पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक मदद का जिक्र किया। बनर्जी ने कहा कि जब पाकिस्तान भारत में हमलों को समर्थन देता है, तो उसे आर्थिक सहायता क्यों दी जाती है?'140 करोड़ भारतीय भावनाओं के साथ समझौता' अपने बयान के अंत में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं के साथ समझौता किया गया है और यह बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि मैं एक जिम्मेदार नागरिक और जनप्रतिनिधि होने के नाते ये सवाल उठा रहा हूं क्योंकि देश की सुरक्षा और लोगों की जान से जुड़ा मुद्दा है।

डायरिया रोको अभियान का शुभारम्भ

सीएमओ ने कहा– शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना प्राथमिकता

मुरादाबाद। जनपद में सोमवार को डायरिया रोको अभियान का शुभारम्भ किया गया, जो कि आगामी 31 जुलाई तक चलेगा। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ईएसआई टाउन हॉल पर अभियान का शुभारम्भ करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के 795385 बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता में शामिल है। अभियान की इस साल की थीम- "डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने इस मौके पर शून्य से पांच साल तक के बच्चों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां प्रदान की और उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए। उन्होंने बताया कि डायरिया रोको अभियान के तहत ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठकों में डायरिया से जुड़े प्रमुख संदेशों पर प्राथमिकता से चर्चा की जाएगी। बैठक में बताया जाएगा कि दस्त के दौरान बच्चों को तरल पदार्थ दिया जाए, दस्त होने पर बच्चों को उम्र के अनुसार 14 दिनों तक जिंक की गोली अवश्य दी जाए, स्वच्छ पेयजल का उपयोग किया जाए और खाना बनाने से पूर्व, परोसने से पूर्व और खाना खिलाने से पूर्व और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह से अवश्य धुलें। अभियान के तहत जनपद और ब्लाक स्तर पर दस्त प्रबन्धन गतिविधियों से सम्बन्धित समस्त स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक कर डायरिया से जुड़े प्रमुख संदेशों पर चर्चा की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम चलाया जा रहा है जोकि डायरिया रोको अभियान में सहयोग करेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत 360 स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस और जिंक कॉर्नर बनाए गए हैं और दीवार लेखन के माध्यम से भी लोगों को डायरिया के प्रति जागरूक किया जा रहा है। फ्रंट लाइन वर्कर का डायरिया के बारे में अभिमुखीकरण भी किया जा रहा है।

इस मौके पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एस. के. बेलवाल, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास गुप्ता, डॉ. राज दुलारी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुबीर सिंह, डीसीपीएम चंद्रशेखर सिंह, यूनिसेफ से रोहित कुमार, पीएसआई इंडिया से मोहम्मद रिजवान एवं ममता सैनी और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

पति और बच्चों के साथ खूबसूरत वादियों में खोईं दिखीं अभिनेत्री प्रीति जिंटा

बीते रविवार को पूरी दुनिया में फादर्स डे मनाया गया। इस मौके पर बॉलीवुड के सितारों ने अपने पिता को याद किया और उनके साथ बिताए खूबसूरत पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया। इस कड़ी में अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने भी पति जीन गुडइनफ और अपने दोनों बच्चों जय और जिया के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए फादर्स डे पर एक खास संदेश लिखा है। आइए जानते हैं।

खूबसूरत वादियों में एंजाय करता दिखा परिवार

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने रविवार देर शाम अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं थीं। कुल मिलाकर अभिनेत्री ने दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें पहली तस्वीर में उनके पति नीली टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने जंगल में टहलते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं जय और जिया हाथ पकड़कर अपने पिता के पीछे चलते हुए दिख रहे हैं। अभिनेत्री के बेटे ने नीली टी-शर्ट और काली शॉर्ट्स पहन रखी है, जबकि उनकी बेटी गुलाबी ड्रेस में दिख रही हैं। इस तस्वीर को अभिनेत्री ने पीछे से क्लिक की है, जिसमें वो नहीं दिखाई दे रही हैं।

फादर्स डे पर लिखा प्यारा नोट

इसके अलावा अभिनेत्री ने जो दूसरी तस्वीर शेयर की है, उसमें वो पति संग दिख रही हैं और दोनों कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'सबसे मजेदार, धैर्यवान, प्यार करने वाले और सबसे प्यारे पिता को हैप्पी फादर्स डे।' इसके साथ उन्होंने लाल दिल वाला इमोजी भी लगाया है।

प्रीति जिंटा का वर्कफ्रंट

प्रीति जिंटा की बात करें तो उन्होंने कई शानदार फिल्में दी हैं। आखिरी बार उन्हें साल 2018 में रिलीज हुई सनी देओल अभिनीत 'भैयाजी सुपरहिट' में देखा गया था। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें तो वह राजकुमार संतोषी निर्देशित 'लाहौर 1947' से बॉलीवुड में फिर से वापसी करने वाली हैं। इस फिल्म में सनी देओल, शबाना आजमी, अली फजल और करण देओल भी नजर आएंगे।

नागार्जुन ने धनुष के साथ किया कुछ ऐसा कि वायरल हुआ वीडियो, नेटिजंस बोले- 'धनुष बहुत ही...'

हाल ही में साउथ सुपरस्टार नागार्जुन और धनुष का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिस पर नेटिजंस की खूब प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। देखें वीडियो।

बीते दिन रविवार को साउथ सुपरस्टार नागार्जुन और धनुष अभिनीत 'कुबेर' का टीजर रिलीज हुआ। अब ट्रेलर की स्क्रीनिंग के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेता नागार्जुन ने धनुष के साथ कुछ ऐसा किया, जो चर्चा का विषय बन गया है। आइए देखें क्या हुआ।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो 'कुबेर' फिल्म के ट्रेलर स्क्रीनिंग के दौरान का है। वीडियो में अभिनेता नागार्जुन और धनुष एक साथ दिख रहे हैं। धनुष के आते ही नागार्जुन उन्हें बुहत ही सम्मान और प्यार के साथ सीट पर पहले बैठने का आग्रह करते हैं। हालांकि, इसके बाद नागार्जुन को अपने फैंस का अभिवादन स्वीकार करते हुए देखा जा सकता है, जिसके बाद दोनों सीट पर एक साथ बैठ जाते हैं। वायरल वीडियो में धनुष ब्लू कलर का कुर्ता-पायजामा पहने दिख रहे हैं, तो वहीं नागार्जुन मैरून कलर का कोट-पैंट पहने नजर आ रहे हैं।

नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस नागार्जुन की तारीफ करते दिख रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि नगार्जुन द ग्रेट मास। दूसरे यूजर ने कहा कि वाह सम्मान। वहीं एक अन्य यूजर ने बोला कि धनुष बहुत ही विनम्र इंसान हैं। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि साउथ सुपरस्टार्स साथ में।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'कुबेर' फिल्म का बीते रविवार को ट्रेलर रिलीज हो गया है। अब 20 जून को फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और धनुष लीड रोल में हैं। इसके अलावा नागार्जुन भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिन्हें ट्रेलर में एक रईस शख्स की भूमिका में देखा गया है। यह फिल्म पैसा, पावर और सत्ता की कहानी दिखाएगा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com